RNI No. MPHIN/2022/83759

दैनिक उज्जवल संदेश

राष्ट्रधर्म सर्वोपरि

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भोपाल, गुरुवार 19 फरवरी, 2026

वर्ष-04 अंक-80 पेज-08 मूल्य-1.00/-

सुविचार

आपकी असली ताकत आपके अंदर है, बस उसे पहचानने की देर है।

डीपफेक रोकने के लिए एआई कंटेंट पर लेबल लगे

● पीएम बोले-एआई में भय नहीं 'भाग्य' और भविष्य है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने AI के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया। पीएम ने कहा कि जैसे खाने के पैकेट पर न्यूट्रिशन लेबल होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी ऑथेंटिसिटी लेबल होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके।

पीएम ने स्पष्ट किया कि दुनिया के कई देशों में जहां एआई को लेकर भय का माहौल है, वहीं भारत इसे अपने भाग्य और उज्ज्वल भविष्य के रूप में देख रहा है। भारत इसे अपनी विकास यात्रा का अगला बड़ा टर्निंग पॉइंट मानता है। मोदी ने एआई के लिए एक नया ग्लोबल फ्रेमवर्क दिया। उन्होंने कहा कि एआई नैतिक, जवाबदेह, संप्रभुता,सुलभ और वैध होना चाहिए, ताकि यह केवल डेटा पॉइंट न बनकर मानवता के कल्याण का जरिया बने।

कंटेंट पर ऑथेंटिसिटी लेबल की जरूरत- पीएम ने सुझाव दिया कि जैसे खाने के सामान पर न्यूट्रिशन लेबल होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी स्पष्ट लेबल होना चाहिए। इससे लोगों को पता चल सकेगा कि क्या असली है और क्या एआई द्वारा बनाया गया (फैब्रिकेटेड) है। भारत ने दुनिया की कॉन्फिडेंशियल सोच से अलग हटकर AI कोड को ओपन शेयर करने की बात कही। पीएम का मानना है कि जब तकनीक सबके लिए खुली होगी, तभी दुनिया भर के युवा दिमाग उसे बेहतर और सुरक्षित बना पाएंगे।

अंबानी बोले- साबित करेंगे कि एआई नौकरियां नहीं छीनता

रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि एआई नौकरियां छीनने के बजाय हाई-स्किल काम के नए मौके पैदा करेगा। उन्होंने एआई की तुलना महाभारत के अक्षय पात्र से की। अंबानी ने एलान किया कि रिलायंस अगले 7 सालों में 10 लाख करोड़ का निवेश करेगी। अंबानी ने ये भी बताया कि जामनगर में मल्टी-गीगावाट AI डेटा सेंटर का काम शुरू हो गया है।

राज्यसभा चुनाव में खेल बिगाड़ने के मूड में ओवैसी

● बिहार में एआईएमआईएम ने कर दिया उम्मीदवार उतारने का ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार की 5 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने हैं। इसकी अधिसूचना भी जारी हो गई है। लेकिन इसी बीच चुनाव को लेकर दोनों गठबंधनों एनडीए और महागठबंधन का गणित उलझ गया है। बिहार में सीमांचल में दो विधानसभा चुनाव में लगातार अपनी ताकत दिखा चुकी ढ्ढरूढ्ढरू ने 5वीं सीट में पेच फंसा दिया है। बिहार एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष ने गुरुवार को साफ कहा कि उनकी पार्टी किसी को समर्थन देने

के बजाय खुद अपना उम्मीदवार मैदान में उतारेगी। दरअसल, इस चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम बड़ी भूमिका में नजर आने वाली है। बिहार मे´ AIMIM के पांच विधायक हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत करते हुए राज्यसभा चुनाव पर बात की। अख्तरुल ईमान ने कहा कि जो लोग इस फिरकापरस्त सरकार के खिलाफ लड़ना चाहते हैं, जो लोग दलितों के हित की रक्षा करना चाहते हैं, उन्हें असदुद्दीन ओवैसी के बाजुओं को मजबूत करना चाहिए।

विधानसभा स्पीकर समेत 42 विधायकों को 'हाई' नोटिस

● बिहार में चुनावी हलफनामे में गलत जानकारी देने का आरोप

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। पटना हाईकोर्ट ने पक्ष और विपक्ष के 42 विधायकों को नोटिस जारी किया है। इनमें विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार भी शामिल हैं। अदालत ने चुनावी हलफनामे में कथित गलत जानकारी और अनियमितता के आरोपों पर जवाब मांगा है। मामले को गंभीर मानते हुए कोर्ट ने निर्धारित समय में स्पष्टीकरण दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस फैसले से

राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव हारने वाले प्रत्याशियों ने याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि विजयी उम्मीदवारों ने नामांकन के दौरान शपथपत्र में तथ्य छिपाए। कुछ मामलों में वोटिंग प्रक्रिया में अनियमितता का भी आरोप लगाया गया है। इन्हीं आरोपों के आधार पर हाईकोर्ट में चुनाव याचिकाएं दायर की गईं। प्रारंभिक सुनवाई के बाद अदालत ने सभी विधायकों को नोटिस जारी किया।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित

भोपाल। प्रदेश भाजपा कार्यालय में गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने संगठन की मजबूती, विचारधारा के प्रसार एवं कार्यकर्ताओं के वैचारिक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांत आज भी संगठन और राष्ट्र निर्माण के मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण के माध्यम से संगठन की नीतियों और विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करें।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह तथा प्रशिक्षण के प्रभारी श्री के.सी. पटेल ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठनात्मक कार्यशैली, अनुशासन और सेवा भाव को प्राथमिकता देने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, प्रदेश मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह राजपूत, संभाग प्रभारी श्री विजय दुबे एवं श्री अभय प्रताप सिंह यादव मंचासीन रहे। कार्यशाला में प्रदेश भर से आए पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही। नेताओं ने प्रशिक्षण महाअभियान को संगठन की जमीनी मजबूती का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए इसे सफल बनाने का संकल्प दोहराया।

मप्र विधानसभा के बजट सत्र

भागीरथपुरा मौत कांड पर विपक्ष का हंगामा, सीएम ने कहा-कार्रवाई की

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का गुरुवार को चौथा दिन है। कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस विधायकों ने थाली बजाकर प्रदर्शन किया। सदन में भागीरथपुरा मौत कांड पर विपक्ष ने हंगामा किया और स्थगन के साथ ही जिम्मेदार मंत्रियों के इस्तीफे की मांग की गई। सरकार ने सदन में आधिकारिक जवाब देते हुए माना कि एक्यूट डायरिया से 20 लोगों की मौत हुई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की और एक आईएएस अधिकारी को निलंबित भी किया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के राहत कार्यों का भी उल्लेख किया गया। हंगामा शांत न होने पर अध्यक्ष ने शून्यकाल की सूचनाएं पढ़ी हुई मानते हुए सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी।

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से हुई मौतों के मुद्दे पर विधानसभा में जोरदार हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मंत्रियों के इस्तीफे की मांग उठाई। इस पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मामला न्यायालय में लंबित है, इसलिए ऐसी चर्चा से न्यायालय की अवमानना की स्थिति बन सकती है। पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने सुझाव दिया कि सदन में बहस के बजाय संबंधित मंत्री से अलग बैठक कर चर्चा करना बेहतर होगा। पूर्व अध्यक्ष सीता शरण शर्मा ने भी कहा कि अदालत में मामला होने से सदन में चर्चा उचित नहीं। जवाब में डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि 21 से 29 दिसंबर के बीच डायरिया फैलने के बाद स्थिति गंभीर हुई और 22 मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की राहत दी गई। इस पर सिंघार ने मृतकों की संख्या 35 बताते हुए सभी को मुआवजा देने और मंत्रियों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की।

विधानसभा में थाली लेकर प्रदर्शन किया कांग्रेस ने

कांग्रेसी विधायकों ने हाथों में थाली लेकर प्रदर्शन किया. विपक्षी नेताओं ने सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया. इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी आज विधानसभा पहुंचे. उन्होंने बजट पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रदेश पर पांच लाख करोड़ रुपये का कर्ज है, इसके बाद भी सरकार लगातार कर्ज ले रही है. इस साल भी सरकार ने 70 हजार करोड़ रुपये का कर्ज लिया है. प्रदेश पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है. नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मनरेगा खत्म होने से मध्य प्रदेश पर पड़ा 10 हज़ार करोड़ का भार ! केंद्र की भाजपा सरकार ने कांग्रेस द्वारा लाए गए 100 दिन रोज़गार योजना मनरेगा को ख़त्म कर विकसित भारत जीरामजी स्कीम लाया.

राफेल में फिट होंगी भारत में बनी हैमर मिसाइलें

70 किलोमीटर तक लगा सकती हैं अचूक निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बनने वाली हैमर मिसाइलों को राफेल लड़ाकू विमानों में फिट किया जाएगा। राफेल लड़ाकू विमानों का निर्माण भारत में होने जा रहा है। राफेल विमानों की सबसे बड़ी ताकत हैमर मिसाइलें हैं, जिनका निर्माण भी भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड (बीईएल) की मदद से भारत में ही होगा। भारत के पास पहले से मौजूद लड़ाकू विमानों में भी हैमर मिसाइलें फिट हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। हवा से सतह में मार करने वाली हैमर मिसाइलों के निर्माण को लेकर भारत और फ्रांस के बीच मंगलवार को समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। इसके तहत फ्रांस की कंपनी सैफरान और बीईएल 50-50 फीसदी की भागीदारी में संयुक्त उपक्रम स्थापित कर हैमर मिसाइलों का निर्माण करेंगे। रूस के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन के बाद मिसाइल निर्माण को लेकर भारत का यह दूसरा संयुक्त उपक्रम है। राफेल लड़ाकू विमानों में हैमर मिसाइलों का इस्तेमाल होता है, जो उसे सटीक हमला करने में सक्षम बनाती हैं। ये मिसाइलें हवा में 70 किलोमीटर तक अचूक निशाना लगा सकती हैं। इसके कई संस्करण हैं, जिनकी क्षमता 150-1,000 किलोमीटर तक के बम तथा विस्फोटक ले जाने की होती है।

- **राफेल और मिराज में हो रहा इस्तेमाल-** वायुसेना के पास 36 राफेल विमान हैं, जिनमें हैमर मिसाइलों का इस्तेमाल हो रहा है। इसके अलावा कुछ मिराज विमानों में भी यह लगी हैं। भारत नियमित रूप से इन्हें फ्रांस से खरीदता है। नौसेना के लिए 26 राफेल आएंगे तथा 114 राफेल और वायुसेना के लिए खरीद जा रहे हैं।
- **आतंकी शिविरों-बंकरों के लिए काल-** विशेषज्ञों के अनुसार, हैमर मिसाइलें सीमापार आतंकी शिविरों, बैंकरों को नष्ट करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। सबसे बड़ी बात है कि राफेल में इन्हें लंबे समय से परखा गया है, इसलिए राफेल विमानों के लिए देश के पास इनकी उपलब्धता जरूरी है। एक खूबी यह है कि यह लेजर गाइडेड, जीपीएस आधारित है और हर मौसम में लॉन्च हो सकती हैं।

विधायकों का फोन नहीं उठाया तो कमांड सेंटर से आएगा अलर्ट

● यूपी सरकार ने शुरू किया संवाद सेतु एप, दूर होंगी एमएलए की शिकायतें

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में विधायकों का फोन न उठाने का मामला गरमा गया है। मामले को पिछले दिनों विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने जोर-शोर से उठाया था। कई भारतीय जनता पार्टी विधायक भी इस मामले को उठाते दिखे हैं। अधिकारियों के जनप्रतिनिधियों के अनादर का मुद्दा लगातार गहराता जा रहा है।

इस बीच यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का सख्त बयान सामने आया है। जन प्रतिनिधियों का सम्मान अधिकारियों को करने की बात उन्होंने कही है। वहीं, सरकार अब जन प्रतिनिधियों का फोन नहीं उठाने के मामले में एक नई व्यवस्था की तैयारी में है। विधायकों का फोन नहीं उठाने पर अब कमांड सेंटर

अलर्ट देगा। माननीयों की शिकायत दूर करने के लिए संवाद सेतु एप का सहारा लिया जाएगा। विधायकों और जनप्रतिनिधियों के फोन न उठाना अब अधिकारियों को मुश्किल में डाल सकता है। अब लखनऊ से इस पर नजर रखी जाएगी। अगर किसी जनप्रतिनिधि ने अधिकारी को फोन किया तो उन्हें जवाब देना ही होगा।

- **योगी सरकार ने शुरू की तैयारी-** यूपी सरकार ने इस प्रकार की समस्या को दूर करने के लिए संवाद सेतु एप बनाने की तैयारी कर ली है। यह ऐप जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के बीच संवाद स्थापित कराएगा। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 25 फरवरी से पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर तीन जिलों हरदोई, गाजियाबाद और कन्नौज से इसकी शुरुआत होगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने दिए निर्देश

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों का पूरा सम्मान करने के निर्देश दिए हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के मोबाइल फोन कॉल को अधिकारी रिसीव करें और पूरा जवाब दें। अगर अधिकारियों की ओर से विधायकों के बारे में दिए गए आदेशों का अनुपालन नहीं किया जाता है तो उनके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई होगी। सतीश महाना ने बुधवार को यह फैसला नियम-300 से तहत दी गई सूचना पर सुनाया है। दरअसल, मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, सपा के मुख्य सचेतक कमाल अख्तर, डॉ. संग्राम यादव, डॉ. रागिनी सोनकर ने नियम-300 के तहत कहा था कि प्रदेश में अधिकारी अनियंत्रित हो रहे हैं।

● मोदी के दौरे से पहले भारत का इजरायल को झटका

वेस्ट बैंक पर नहीं दिया दोस्त का साथ, लताड़ भी लगाई

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पीएम मोदी के इजरायल दौरे से ठीक पहले भारत ने संयुक्त राष्ट्र में वेस्ट बैंक पर इजरायल के कब्जे की कड़ी निंदा की है। भारत ने

इजरायली कदमों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। जानिए इस कूटनीतिक कदम के मायने। इजरायल का सदाबहार दोस्त होने के बावजूद भारत ने उसके एक कदम की तीखी आलोचना की है। मामला फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक से जुड़ा है जिस पर इजरायल कब्जा करता जा रहा है। अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र (ह्) में एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम उठाते हुए 100 से अधिक देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर वेस्ट बैंक पर इजरायल के नियंत्रण को मजबूत करने के प्रयासों की कड़े शब्दों में निंदा की है। यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले सप्ताह होने वाली इजरायल यात्रा से ठीक पहले सामने आया है। भारत ने उस संयुक्त बयान का समर्थन किया है जिसमें वेस्ट बैंक में इजरायल की गतिविधियों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया है। भारत ने बुधवार देर रात, समय सीमा समाप्त होने से ठीक पहले इस निंदा प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। बयान में कहा गया है कि वेस्ट बैंक में इजरायल की उपस्थिति को बढ़ाने के एकतरफा फैसले और उपाय पूरी तरह से अवैध हैं।

- **पीएम मोदी की इजरायल यात्रा और कूटनीति-** यह बयान ऐसे समय में आया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह इजरायल के ऐतिहासिक दौरे पर जाने वाले हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी के इजरायली संसद को संबोधित करने की भी संभावना है। भारत के इस कदम को एक संतुलित कूटनीति के रूप में देखा जा रहा है। भारत और इजरायल के बीच रक्षा और तकनीक में गहरे संबंध हैं। हालांकि भारत ऐतिहासिक रूप से टू-स्टेट सॉल्यूशन का समर्थक रहा है और वेस्ट बैंक पर भारत का यह स्टैंड उसकी पुरानी विदेश नीति के अनुरूप ही है।

पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व में फरार आरोपियों पर गुना पुलिस की निर्णायक कार्यवाही

कुम्भराज थाना पुलिस की बड़ी सफलता, धोखाधड़ी एवं अमानत में खयानत के गंभीर प्रकरण में करीब 02 साल से फरार आरोपी नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

कुम्भराज। आरोपियों द्वारा कुम्भराज के गल?ला व?यापारियों की लगभग 12 लाख रूपये मूल्य की धानिया फसल की थी गायब गुना पुलिस अधीक्षक श्री अंकित सोनी के दिशा निर्देशन में गुना पुलिस द्वारा जिले में ठगी, धोखाधड़ी, गबन एवं अन्य आर्थिक अपराधों को गंभीरता से लेते हुए इन अपराधों में निरंतर सख्त एवं प्रभावी कार्यवाहियां की जा रही हैं । पुलिस अधीक्षक श्री सोनी द्वारा ऐसे प्रकरणों को विशेष गंभीरता से लेते हुए समय-समय पर समीक्षा कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए जा रहे हैं । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी चांचौड़ा श्री मनोज कुमार झा के पर्यवेक्षण में कुम्भराज थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज त्यागी तथा उनकी टीम द्वारा धोखाधड़ी एवं अमानत में खयानत के एक गंभीर प्रकरण में लगभग 02 साल से फरार आरोपी को नेपाल बॉर्डर क्षेत्र से गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है ।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 08 मई 2024 को कुम?भराज थाने पर गल्ला व्यापारी नरेन्द्र कुमार साहू निवासी कुंभराज द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि कुम?भराज गल?ला मंडी स्थित उसकी फर्म गणपति ट्रेडर्स, फर्म वैभव किराना एवं फर्म सुनील कुमार अनिल कुमार से दिनांक 03 मई 2024 को आयशर ट्रक क्रमांक क्34 ञ्च 2098 में कुल 283 नग धनिया की बोरियां (113 क्विंटल धनिया अनुमानित कीमत लगभग 12 लाख रूपये) मुंबई के लिए भेजी गईं थीं, किंतु दिनांक 07 मई तक माल मुंबई नहीं पहुंचा तो ट्रक के चालक चालक राजू एवं क्लीनर अनस से संपर्क करने का प्रयास किया परंतु उनसे संपर्क नहीं हो रहा है, संभवतः दोंनो के द्वारा उनका माल हड़प लिया है । जिस पर से आरोपी ट्रक चालक राजू एवं क्लीनर अनस खांन निवासीगण उत?तरप्रदेश के विरूद्ध कुंभराज थाने में अप0क्र0 144/24 धारा 407 भादवि के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई थी ।

विवेचना के दौरान कुम्भराज थाना पुलिस द्वारा दिनांक 30 मई 2024 को ट्रक मालिक देशराज सिंह यादव एवं ट्रक चालक मोहम्मद फारूक उर्फ राजू निवासीगण कीरतपुर थाना अटरिया जिला सीतापुर उ.प्र. को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 116 बोरी धनिया एवं ट्रक जप्त किया गया था । पूछताछ में उनके द्वारा अन्य आरोपियों विजय यादव, रोहित मिश्रा, अनस खांन एवं कमलाप्रसाद वर्मा के साथ मिलकर धनिया की फसल गायब करने की साजिश स्वीकार की गई थी । विवेचना में आए तथ्यों के आधार पर पुलिस द्वारा प्रकरण में धारा 420, 120बी भादवि का इजाफा की गई तथा पूर्व में दो और आरोपी विजय यादव एवं रोहित मिश्रा को भी गिरफ्तार किया जा चुका है । प्रकरण में शेष फरार आरोपी अनस खांन एवं कमला प्रसाद वर्मा की गिरफ्तारी हेतु कुम्भराज थाना पुलिस के प्रयास निरंतर जारी थे । पुलिस अधीक्षक श्री अंकित सोनी द्वारा लंबित प्रकरणें की समीक्षा के दौरान इस प्रकरण में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु सख्त निर्देश दिए गए । निर्देशों के पालन में कुम्भराज थाना पुलिस फरार आरापियों की गिरफ्तारी के प्रयासों में तेजी लाई गई तथा इसमें मुखिबर तंत्र एवं तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए आरोपियों की सघन तलाश की गई तथा संकलित जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश में विगत दिवस कुम्भराज थाने से पुलिस की एक टीम उत्तरप्रदेश के लिए रवाना हुई । पुलिस टीम द्वारा उत्तर प्रदेश के कई शहरों में आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की गई और इसमें लगातार प्रयासों के परिणाम स्वरूप दिनांक 16 फरवरी 2026 को फरार एक और आरोपी कमला प्रसाद पुत्र दशरथ लाल वर्मा उम्र 45 साल निवासी ग्राम रेवनिया थाना भिनगा जिला श्रवास्ति (उ.प्र.) को नेपाल बॉर्डर पर श्रावस्ति जिले के भिनगा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर गुना लाया गया एवं जिसे माननीय न्यायालय से पुलिस रिमाण्ड पर लेकर उससे माल बरामदगी की कार्यवाही की जा रही है । प्रकरण में फरार शेष व अंतिम आरोपी अनस खांन की तलाश जारी है ।

गुना पुलिस की यह कार्यवाही निष्पक्ष, प्रभावी एवं परिणामोन्मुख विवेचना का सशक्त उदाहरण है, जो आर्थिक अपराधों में संलिप्त आरोपियों के लिए स्पष्ट संदेश है कि कानून से बच पाना संभव नहीं है । कुम्भराज थाना पुलिस की इस सराहनीय कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज त्यागी, उपनिरीक्षक होतम सिंह बघेल, प्रधान आरक्षक आलोक सिंह भदौरिया, आरक्षक अजय रघुवंशी एवं साइबर सेल से आरक्षक कुलदीप यादव की विशेष भूमिका रही है ।

यूजीसी बिल के विरोध में 22 को 'बच्चे जमा करो' आंदोलन

भाजपा कार्यालय तक मार्च

रायसेन। शहर के ऐतिहासिक चित्रगुप्त मंदिर परिसर में सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर यूजीसी बिल के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की।

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष रवि खत्री ने कहा- यूजीसी कानून अव्यवहारिक और भेदभावपूर्ण है , सरकार से इसे वापस लेने की मांग की। प्रस्तावित प्रावधान शिक्षा व्यवस्था के हित में नहीं हैं। भरत सिंह राजपूत ने स्पष्ट किया कि समाज किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि नीतिगत फैसले का विरोध कर रहा है।

श्याम अग्रवाल ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थगन दिए जाने के बावजूद मध्यप्रदेश सरकार ने प्रावधान लागू किए हैं, जो न्यायपालिका की भावना के विपरीत है। उनका कहना था कि इससे शैक्षणिक ढांचा प्रभावित होगा और विद्यार्थियों के भविष्य पर असर पड़ सकता है।

22 फरवरी को रैली, भाजपा कार्यालय तक मार्च

नरेन्द्र महेश्वरी ने बताया कि 22 फरवरी (रविवार) को दोपहर 12 बजे महामाया चौक से माता मंदिर चौराहा होते हुए भाजपा कार्यालय तक रैली निकाली जाएगी। इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा जाएगा। आंदोलन को 'बच्चे जमा करो' नाम दिया गया है।

प्रमोद कांकर ने बताया कि आंदोलन में शामिल लोग काले वस्त्र पहनकर, काले झंडे और काले गुब्बारों के साथ विरोध दर्ज करेंगे। कुछ कार्यकर्ता प्रतीकात्मक रूप से जंजीरों में बंधकर प्रदर्शन करेंगे। युवाओं, विद्यार्थियों और महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

'किसी वर्ग के खिलाफ नहीं '

दीपक ठाकुर ने स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग समाज 'हमारे भाई हैं' और आंदोलन किसी वर्ग के विरुद्ध नहीं है। 21 फरवरी को विभिन्न समाजों के परिवारों से मिलकर संवाद और एकता का संदेश देने की योजना है।

4 मार्च को 'समरसता के रंग' कार्यक्रम

संदीप दुबे ने बताया कि 4 मार्च को महामाया चौक पर 'समरसता के रंग' कार्यक्रम के तहत होली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी वर्गों के साथ होली खेलकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। संगठनों का दावा है कि जिलेभर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रायसेन पहुंचेंगे। कार्यक्रम को पूर्णतः शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न करने की बात कही

मध्यप्रदेश विधानसभा मे भोपाल उत्तर के युवा विधायक सम्मानीय आतिफ अकील जी द्वारा हमारी माँ गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का अशासकीय संकल्प रखने पर कांग्रेस नेता राहूल सिंह राठौड़ ने भेंट कर सनातन युवाओं की और से आभार एवं धन्यवाद किया.. युवा विधायक आतिफ अकील को हिंदुओ की सबसे बड़ी माँग उठाने के लिए कांग्रेस के युवा नेता राहुल सिंह राठौड़ के साथ रामस्वरूप यादव ,मुजाहिद सिद्दीकी, अखिलेश जैन, वीरेंद्र मिश्रा ,बबलू भाई और युवा साथियो ने शौंल श्रीफल और गमछा पहनाकर सम्मान किया एवं दीप्ति जैन ने तिलक कर सभी सनातन युवाओं के साथ गौ माता की प्रतिकृति भेंट कर अभिवादन किया।

पट प्रतियोगिता में बैल दौड़ाने जा रहे युवक से 20 हजार रुपये छीनने और बैल ले जाने का आरोप

पीड़ित कोरकू आदिवासी युवक ने एसपी से की शिकायत, झल्लार थाने का मामला

बैतूल। पट प्रतियोगिता में बैल दौड़ाने जा रहे कोरकू आदिवासी युवक को रास्ते में रोककर खुद को हिंदूवादी संगठन का अध्यक्ष बताकर धमकाने और 20 हजार रुपये छीनने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पूरे घटनाक्रम की शिकायत पुलिस अधीक्षक से कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

भैंसदेही तहसील के ग्राम रातामाटी निवासी काइटा माथनकर पिता रामलाल माथनकर ने बताया कि वह अपने खरीदे हुए बैलों के साथ मेलों में पट दौड़ाने का कार्य करता है। 15 फरवरी को शिवरात्रि के दिन सुबह करीब 8 बजे वह अपने भाई दशरथ माथनकर के साथ गागड़खेड़ा मेले में बैल दौड़ाने जा रहा था। रास्ते में एक कमल आर्य नामक व्यक्ति और उसके दो साथियों ने उन्हें रोक लिया।

आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने खुद को एक हिंदूवादी संगठन का अध्यक्ष बताते हुए धौंस दिखाई और कहा कि उसके पास त्रिशूल है। इसके बाद दोनों भाइयों की तलाशी ली गई। काइटा माथनकर के अनुसार उसके पास मेले से घर का सामान खरीदने और बैल दौड़ाने के लिए रखे 20 हजार रुपये नकद और एक मोबाइल था। आरोप है कि रुपये और मोबाइल छीन लिए गए तथा बैलों को दूसरे स्थान पर ले जाकर बांध दिया गया।

शिकायत में कहा गया है कि विरोध करने पर झूठे केस में फंसाने और थाने ले जाने की धमकी दी गई। देर शाम उसे छोड़ दिया गया और मोबाइल लौटा दिया गया, लेकिन 20 हजार रुपये वापस नहीं किए गए। अगले दिन झल्लार थाने में सूचना देने पर मामला आपसी बताया गया। बाद में तलाश करने पर उसके बैल दूसरे गांव में बंधे मिले, जिन्हें वह अपने परिवार के साथ वापस लेकर आया।

निर्धारित समय पर पूर्ण करे समर्पण निधि का लक्ष्य - सुधाकर पंवार

आजीवन सहयोग निधि एवं आगामी कार्यक्रम को लेकर जिले की बैठक संपन्न

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में आयोजित आजीवन सहयोग निधि एवं अन्य आगामी कार्यक्रमो को लेकर कामकाजी बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने कहा कि अब मंडल स्तर पर अध्यक्ष प्रभारी एवं सह प्रभारी हमारे त्रिदेव की भूमिका में है। तीनो मिलकर बूथ स्तर तक प्रवास करें एवं पार्टी के लक्ष्य को समय पर पूर्ण करें। जिलाध्यक्ष श्री पंवार ने कहा कि पार्टी के सभी कार्यक्रम को हमारे कार्यकर्ता उत्साह पूर्वक संपन्न करते है। भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित दल है एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से पार्टी की सभी गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित होती है। हर कार्यकर्ता के लिए काम और हर काम के लिए कार्यकर्ता यही हमारी पार्टी की कार्यपद्धति

है। आगामी कार्यक्रम मन की बात कार्यक्रम 22 फरवरी को संपन्न होना है। जिसको लेकर कार्ययोजना बना ले एवं हर बूथ पर कार्यक्रम संपन्न करें। बजट का प्रचार प्रसार एवं वीबी जी राम जी के कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न होने पर जिलाध्यक्ष श्री पंवार ने सभी मंडल अध्यक्षो को बधाई दी। उन्होने कहा कि आगामी समय में पं.दीनदयाल उपाध्याय महा प्रशिक्षण अभियान के कार्यक्रम होने है मंडल स्तर पर मंडल अध्यक्ष एवं प्रभारी मिलकर आगामी कार्यक्रम की कार्ययोजना तैयार करें। बैठक को संबोधित करते हुए आजीवन सहयोग निधि के जिला प्रभारी दीपक सलूजा ने आजीवन सहयोग निधि संग्रहण को लेकर तकनीकि बाते सुक्ष्मता से साझा करते हुए कहा कि इस बार नगद राशि का कोई प्रावधान नही है। चेक के माध्यम से ही आजीवन निधि प्राप्त करना है। जिले के सभी 30 मंडलो में कार्य विभाजन कर राशि संग्रहण का कार्य प्रारंभ हो चुका है। जिले का लक्ष्य तय तारीख से पहले हासिल करने के लिए हमें आज से जुट जाना है। बैठक को संबोधित करते हुए जिला महामंत्री कमलेश सिंह ने कहा कि पिछले सभी अभियान और कार्यक्रम हमने सफलता पूर्वक संपन्न किए है बजट 2026 के प्रचार प्रसार के कार्यक्रम सभी मंडलो में संपन्न हुए। विकास खंड स्तर पर वीबी जी राम जी अभियान के कार्यक्रम संख्यात्कम रूप से प्रभावशाली रहे है। और अब आजीवन सहयोग निधि संग्रहण में हमे पिछले वर्ष के लक्ष्य से आगे निकलते हुए नया आयाम स्थापित करना है। आगामी दिनों मे कार्यकर्ताओ के प्रशिक्षण का कार्य मंडल स्तर पर होना है जिसको लेकर जिला एवं मंडल स्तर पर टोली का गठन हो चुका है। बैठक का संचालन आजीवन सहयोग निधि के सह संयोजक प्रशांत गावंडे ने एवं अंत में आभार अभियान के जिला सह संयोजक महेश्वर सिंह चंदेल ने व्यक्त किया। इस दौरान जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, डा.महेन्द्र सिंह चौहान मंचासीन रहे। बैठक में मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, आजीवन सहयोग निधि अभियान के मंडल संयोजक, सह संयोजक उपस्थित रहे।

पहला सुख निरोगी काया के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहा आयुष विभाग

आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम से जिले में बढ़ी स्वास्थ्य जागरूकता

बैतूल। जिले में आयुष विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा संचालित आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर बैतूल बाजार द्वारा नागरिकों और स्कूली छात्र-छात्राओं को आयुष चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी दी जा रही है तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पहला सुख निरोगी काया के सिद्धांत को जन-जन तक पहुंचाना है।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए जिले के विभिन्न विकासखंडों में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज वर्मा एवं सहायक नोडल अधिकारी डॉ. रैना कासदे के मार्गदर्शन में जन-जागरूकता कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के संचालन में होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार मोहने, डॉ. प्रीतिबाला पाटनकर, डॉ. राजेश जाधव तथा आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनीता महादुले, डॉ. शारदा मोरे और डॉ. अतुल राय की

सक्रिय भूमिका रही। वर्तमान में संचालित कार्यक्रम के अंतर्गत आयुष पद्धति के चिकित्सकों द्वारा स्कूलों में कार्यशालाएं आयोजित कर विद्यार्थियों को आयुर्वेद के माध्यम से दिनचर्या, ऋतुचर्या, योगाभ्यास, प्राणायाम, स्वच्छता और संतुलित आहार के महत्व की जानकारी दी जा रही है। साथ ही बदलते पर्यावरण, बढ़ते स्क्रीन टाइम और आधुनिक जीवनशैली से होने वाले रोगों से बचाव के लिए आयुष उपचार पद्धति और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के उपाय सिखाए जा रहे हैं। वृद्धजनों के लिए वयोमित्र, बेहतर संतति के लिए सुप्रजा तथा वर्तमान परिवेश के कारण उत्पन्न हो रही अस्थि एवं पेशियों की समस्याओं से बचाव के संबंध में भी आमजन और वरिष्ठ नागरिकों को मार्गदर्शन दिया जा रहा है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि फरवरी माह में चल रहे इस कार्यक्रम के अंतर्गत आयुर्विधा के 640, मस्कुलो स्केलेटल डिसॉर्डर के 71, वयोमित्र के 90 और सुप्रजा के 45 इस प्रकार कुल 845 लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है। आयुष विभाग के समस्त अधिकारी और कर्मचारी अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में निरंतर जुटे हैं तथा आमजन से कार्यक्रमों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की गई है।

25 फरवरी से बटामा हनुमान मंदिर में नया योग शिविर, 3 मार्च तक होगा आयोजन

भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के सानिध्य में 365 दिन चलेगी निशुल्क योग कक्षा

बैतूल। विनोबा नगर स्थित शिव मंदिर प्रांगण में दिव्य प्राकृतिक एवं पंचकर्म चिकित्सालय के तत्वावधान में निशुल्क पंचकर्म एवं योग चिकित्सा शिविर संचालित हो रहा है। शिविर में कमर दर्द, घुटने दर्द, जोड़ों में अकड़न, वात एवं कफ दोष, सूजन तथा मांसपेशियों में जकड़न जैसी समस्याओं से पीड़ित मरीजों का प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से उपचार किया जा रहा है।

आयुर्वेदिक एवं नेचरोपेथी कंसल्टेंट तथा अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं पंचकर्म एक्सपर्ट डॉक्टर पुष्पेंद्र अरोरा द्वारा कपिंग थेरेपी, हिजामा थेरेपी, एमएफआर थेरेपी, एमएफडी थेरेपी, अग्नि कपिंग और जोंक चिकित्सा के माध्यम से उपचार प्रदान किया जा रहा है। जोंक चिकित्सा के जरिए रक्त और रक्त वाहिकाओं से संबंधित समस्याओं तथा लंबे समय से सूजी और गांठदार नसों के उपचार का दावा किया गया है।

शिविर प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक संचालित हो रहा है। पंजीयन निशुल्क रखा गया है।

आयोजन भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति, महिला पतंजलि योग समिति और युवा भारत पतंजलि किसान सेवा समिति बैतूल मध्य प्रदेश के सानिध्य में किया जा रहा है। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के तहसील प्रभारी संतोष तोमर, अखिलेश जैन, एनपी साहू, जूही, दिलीप रावत तथा अनहद अकैडमी के सहयोग से शिविर का संचालन किया जा रहा है। पंजीयन और जानकारी के लिए 8602416283, 9425663993 और 9926414956 पर संपर्क किया जा सकता है। आयोजकों ने बताया कि 20 फरवरी 2026 को शिविर का समापन किया जाएगा। इसके बाद 21 फरवरी से शिव मंदिर प्रांगण में वर्षभर स्थायी निशुल्क योग कक्षा प्रारंभ की जाएगी, जिसमें अनुभवी प्रशिक्षित योग शिक्षक द्वारा नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही 25 फरवरी से बैतूल बाजार रोड स्थित बटामा हनुमान मंदिर प्रांगण में 3 मार्च तक नया शिविर आयोजित किया जाएगा, जहां स्थायी योग कक्षा भी प्रारंभ करने की योजना है।दर्शना चौरे महिला स्पेशलिस्ट द्वारा महिलाओं के लिए विशेष परामर्श एवं उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविर में पंजीयन पूर्णतः निशुल्क रखा गया है।

एक पटवारी का नेक प्रण: सतेंद्र जैन के 'आनंद मदद घर' से सरकारी स्कूलों में उम्मीद की नई किरण

दमोह, सुरेंद्र राठौर। सरकारी सेवा में रहते हुए भी समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभा रहे सतेंद्र जैन (पेशे से पटवारी) ने एक ऐसी मिसाल कायम की है, जो प्रेरणा का स्रोत बन रही है। अपने दिवंगत पिताजी के नाम पर, उन्होंने 'आनंद मदद घर' नामक एक गैर-सरकारी संगठन के द्वारा सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले उन बच्चों के लिए एक वरदान है, जिन्हें प्रतिदिन स्कूल आने के लिए प्रोत्साहन और सहायता की ज़रूरत है।

अपनी सैलरी का हिस्सा, बच्चों के भविष्य के नाम- सतेंद्र जैन की यह पहल इसलिए भी खास है क्योंकि वे अपनी आय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा व्यक्तिगत रूप से 'आनंद मदद घर' के संचालन पर खर्च करते हैं। एक पटवारी के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों के साथ-साथ, वे बच्चों की शिक्षा के प्रति अपने गहरे समर्पण को भी दर्शाते हैं। यह उनका दृढ़ संकल्प ही है कि वर्ष 2019 से वे बिना किसी

रुकावट के इस कार्य को अंजाम दे रहे हैं।

एक छोटा कदम, बड़े बदलाव की ओर- 'आनंद मदद घर' का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति दर को बढ़ाना है। सतेंद्र जी का मानना है कि छोटी-छोटी मदद भी बच्चों को स्कूल से जोड़े रख सकती है। इसी सोच के साथ, वे अब तक लगभग 30 से 40 सरकारी स्कूलों तक अपनी सेवाएं पहुंचा चुके हैं। उनकी टीम और वे स्वयं बच्चों के लिए कंपास बॉक्स, चप्पल, पानी की बोतलें और ठंड के मौसम में गर्म स्वेटर जैसी आवश्यक वस्तुएं वितरित करते हैं। ये सामग्रियां सिर्फ वस्तुएं नहीं, बल्कि बच्चों को स्कूल आने और बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ाने के लिए एक प्रोत्साहन भी हैं।

मित्रों का सहयोग: एक सामूहिक प्रयास की शक्ति- सतेंद्र जैन के इस नेक कार्य में उनके पुराने स्कूल और कॉलेज के मित्र भी कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। ये दोस्त, जो आज दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई जैसे बड़े शहरों में रहकर अपनी पेशेवर जिंदगी संवार रहे हैं, वे भी 'आनंद मदद घर' को आर्थिक सहायता प्रदान करते हैं। यह दर्शाता है कि सतेंद्र जी की ईमानदारी और समर्पण ने उनके साथियों को भी इस पुण्य कार्य से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है। यह एक सामूहिक प्रयास की शक्ति है, जहाँ हर कोई अपने स्तर पर योगदान देकर बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में मदद कर रहा है।

कई गांवों में फैला शिक्षा का प्रकाश

'आनंद मदद घर' की रोशनी अब कई गांवों तक पहुंच चुकी है। शहजादपुरा, गीदन, सगोनी, सादपुर, सकरी, नीमखेड़ा, कनौरा कला, अंजनी, घूघस, बसिया, खिरिया जैसे गांवों के बच्चों को इस पहल से सीधा लाभ मिल रहा है। इन दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ अक्सर बच्चों को शिक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ता है, वहाँ सतेंद्र जैन और उनके साथियों का यह प्रयास सचमुच सराहनीय है। सतेंद्र जैन का कहना है कि जब तक उन्हें ईश्वर का आशीर्वाद मिलेगा, वे इस नेक कार्य को जारी रखेंगे। उनका यह उदाहरण दिखाता है कि कैसे एक व्यक्ति, अपनी सरकारी जिम्मेदारियों के बावजूद, अपने वेतन और निजी प्रयासों से समाज में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव ला सकता है। 'आनंद मदद घर' सिर्फ एक एनजीओ नहीं, बल्कि सैंकड़ों बच्चों के लिए एक बेहतर कल की उम्मीद है, जिसे सतेंद्र जैन जैसे कर्मठ लोग अपनी निष्ठा और समर्पण से सींच रहे हैं।

मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा विकास के लिए सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के साथ हुआ एमओयू

क्लाइमेट चेंज से निपटने में लीडर बन रहा है मध्यप्रदेश: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि क्लाइमेट चेंज एक गंभीर वैश्विक चुनौती है। क्लाइमेट चेंज मानव अस्तित्व, आर्थिक स्थिरता और भावी पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने कहा कि सतत् विकास की राह में हम पर्यावरण की अनदेखी नहीं कर सकते। विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना ही प्रगति का मूल आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि क्लाइमेट चेंज के मामले में ठोस और समयबद्ध समाधान पर काम करना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की क्लाइमेट चेंज को लेकर प्रतिबद्धताओं में भी राज्यों का योगदान भी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश क्लाइमेट चेंज से निपटने में सर्वाधिक नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादक बन लीडर की भूमिका में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी है। यहां लगभग हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। मुख्यमंत्री ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मप्र में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने का विश्वास और सुरक्षा की गारंटी देते हुए कहा कि राज्य और निवेशक मिलकर देश को नवकरणीय ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे बिजली देने की दिशा में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के साथ हमारा रिश्ता नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार की शाम मुंबई में क्लाइमेट वीक-2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग (मप्र शासन) एवं ग्रीन एनर्जी के लिए विख्यात सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के बीच मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में एमओयू हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान केवल एक देश, एक राज्य या एक सरकार ही नहीं कर सकती, इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन, हरित विकास और जलवायु समाधान के लिए आगे बढ़ने की दिशा में मुम्बई क्लाइमेट वीक एक महत्वपूर्ण मंच है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए त्वरित और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, हरित तकनीकों को अपनाना और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करना ही भविष्य का विकास मार्ग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित

और संतुलित बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकारों के साथ ही उद्योगों, संस्थाओं और इस देश में रहने वाले हर नागरिक की भी है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए 'लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट' जैसे व्यवहारिक बदलावों को अपनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरित ऊर्जा उत्पादन के जरिए क्लाइमेट चेंज से निपटने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार के नवाचारों की जानकारी देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के उन अग्रणी राज्यों में से एक है, जिसने नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जिसने ईवी नीति बनाई, जो क्लाइमेट चेंज की ओर कारगर कदम है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार मध्यप्रदेश में 300 मेगावाट 4 घंटे सौर-सह एनर्जी स्टोरेज परियोजना, 300 मेगावाट 6 घंटे सौर-सह एनर्जी परियोजना सहित 24×7 घंटे नवकरणीय ऊर्जा बैटरी आधारित एनर्जी स्टोरेज परियोजना पर काम कर रही है। यह एक नया प्रयोग है। यह भारत की अपनी तरह की पहली परियोजना है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जो इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीते 12 सालों में मप्र की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। सौर ऊर्जा में 48 प्रतिशत और पवन ऊर्जा में 19 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। नवकरणीय ऊर्जा की बड़ी परियोजनाओं के जरिए हमने म.प्र. की जरूरतों को पूरा करने के बाद पड़ोसी राज्यों और भारतीय रेलवे को भी स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट दुनिया का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट है। ये एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें हमने किसी भी नागरिक को विस्थापित नहीं होने दिया, इस प्रोजेक्ट में ऊर्जा उत्पादन भी प्रारंभ हो चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में सांची देश की पहली सोलर सिटी बनी है। हम सभी शासकीय भवनों पर सोलर रूफटॉप लगाने की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार निवेशकों, निजी क्षेत्र और नीति निर्माताओं के साथ मिलकर मप्र को भारत का नवकरणीय ऊर्जा हब बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। हम सौर, पवन, एनर्जी स्टोरेज, बायोफ्यूल तथा ग्रीन हाइड्रोजन सहित सभी नवकरणीय टेक्नोलॉजी में वित्तीय एवं नीतिगत प्रोत्साहन भी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से आव्हान किया कि मध्यप्रदेश की तेजी से परिवर्तनकारी यात्रा में हमारे साथ जुड़ें। इससे जलवायु को संतुलित रखने में तो मदद मिलेगी ही, यह सबके व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और मप्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने कहा कि हम ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत् विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ-साथ मप्र और भारत के उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए हम बैटरी स्टोरेज आधारित ऊर्जा उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मप्र में ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्रोजेक्ट, शाजापुर, आगर-मालवा और रीवा में अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना पर काम हुआ है। उन्होंने निवेशकों से अपील करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश अनंत संभावनाओं का प्रदेश है। यहां निवेश करें, सरकार आपके साथ है।

मध्यप्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा जन कल्याणकारी बजट : शुक्ल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट 'समृद्ध मध्यप्रदेश@2047' की दिशा में दूरदर्शी, समावेशी एवं परिणामोन्मुखी है। उन्होंने कहा कि बजट में 'ज्ञान' (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) से आगे बढ़कर 'ज्ञानी' की अवधारणा को साकार किया गया है, जिसमें इंडस्ट्रियलाइजेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर को सशक्त रूप से जोड़ा गया है। उन्होंने

कहा कि बजट में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, अधोसंरचना विकास सभी सेक्टर के लिए प्रावधान किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सर्वस्पर्शी, समावेशी बजट के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित एवं समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल कहा कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। वर्ष 2026-27 के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में कुल 23 हजार 747 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है, जो प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं किफायती उपचार उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत 4600 करोड़ रुपये, चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालयों के लिए 3056 करोड़ रुपये, जिला एवं सिविल अस्पतालों हेतु 2049 करोड़ रुपये तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के संचालन हेतु 1934 करोड़ रुपये का प्रावधान स्वास्थ्य तंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) के लिए 1277 करोड़ रुपये तथा राज्यांश सहित कुल 2139 करोड़ रुपये का प्रावधान यह सुनिश्चित करेगा कि गरीब एवं वंचित वर्ग को निःशुल्क उपचार की सुविधा निरंतर मिलती रहे।

मप्र के नगरों के युगांतकारी परिवर्तन और आधुनिक अधोसंरचना का मार्ग प्रशस्त करेगा यह बजट : मंत्री विजयवर्गीय

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा में प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट का स्वागत करते हुए इसे प्रदेश के शहरी परिदृश्य में अभूतपूर्व परिवर्तन लाने वाला एक दूरदर्शी रोडमैप बताया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मध्यप्रदेश के नगरों के सुनियोजित विकास हेतु पूर्णतः संकल्पित है, जिसकी स्पष्ट झलक विभागीय बजट प्रावधानों में परिलक्षित होती है। यह बजट न केवल नगरीय क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की गुणवत्ता को संवर्धित करेगा, बल्कि विकास की उपलब्धता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर नागरिकों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित करेगा।मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि आगामी सिंहस्थ-2028 को वैश्विक भव्यता और दिव्यता प्रदान करने के लिए बजट में 3060 करोड़ रूपये का ऐतिहासिक प्रावधान किया गया है, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक पर्यटन के प्रति शासन की अटूट आस्था को दर्शाता है। नगरीय निकायों को वित्तीय रूप से स्वावलंबी और प्रशासनिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रवेश कर के हस्तांतरण हेतु 3600 करोड़ रूपये तथा 16वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुरूप स्थानीय निकायों हेतु 2057 करोड़ रूपये के अनुदान का प्रावधान किया गया है, जिससे स्थानीय स्वशासन की नींव और अधिक सुदृढ़ होगी।

प्रदेश के विकास और सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है बजट : ऊर्जा मंत्री तोमर

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा द्वारा आज विधानसभा में वर्ष 2026-27 का बजट तथा आगमी 02 वित्तीय वर्षों क्रमशः वर्ष 2027-28 एवं वर्ष 2028-29 हेतु रोलिंग बजट प्रस्तुत किया गया। बजट प्रदेश के विकास और सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए

समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में बनाये गये इस बजट में गरीब, युवाओं, अन्नदाता और नारी सहित सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। ऊर्जा विभाग के लिए इस वर्ष 2026-27 में 33 हजार 606 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। इससे बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने में सहूलियत होगी। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिये अटल गृह ज्योति योजना के लिए 6033 करोड़ रूपये और अटल कृषि ज्योति योजना के लिए 13914 करोड़ रूपये की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। आर.डी.एस.एस. योजना के लिए 1091 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। ट्रांसमिशन एवं वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए 700 करोड़ रूपये एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 5 एच.पी. पंपों के लिये निःशुल्क बिजली देने के लिए 5276 करोड़ रूपये की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

बजट पर इनका क्या कहना है

बजट 2026-27 'समृद्ध मध्यप्रदेश 2047' के लक्ष्य की प्राप्ति में सशक्त कदम : राज्यमंत्री पटेल

भोपाल (नप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को दूरदर्शी, समावेशी और जनकल्याणकारी बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सशक्तिकरण के साथ औद्योगिकीकरण और अधोसंरचना विकास को गति देने वाला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सशक्त, नेतृत्व में यह बजट 'समृद्ध मध्यप्रदेश ञ2047' के लक्ष्य की प्राप्ति में यह सशक्त कदम है। उन्होंने सर्वस्पर्शी भविष्योन्मुख बजट के लिए उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा का आभार व्यक्त किया है।

अमृतकाल 2047 के लिए विकास का पैमाना है राज्य सरकार का यह बजट

समृद्ध, सुखद और सम्पन्न मध्यप्रदेश के सपने को पूरा करेगा बजट 2026-27 : मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश बना रोलिंग बजट प्रस्तुत करने वाला देश का पहला राज्य

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ज्ञान आधारित विकास के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण के ज्ञान के संकल्प में हमारी सरकार ने अब इंडस्ट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर के आई (I) को भी शामिल किया है। वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश का यह बजट ज्ञानी के मार्गदर्शी सिद्धान्त पर तैयार किया गया है। जिसमें गरीब कल्याण, युवा शक्ति के कौशल विकास एवं रोज़गारोन्मुखी प्रशिक्षण, अन्नदाता की आय में वृद्धि, नारी सशक्तिकरण, आधारभूत सुविधाओं का विकास एवं प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करने का संकल्प है। वर्ष 2026-27 के 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए के बजट में विकास के लिए पर्याप्त धन राशि रखी गई है, यह विकास और जनकल्याण के संकल्प की पूर्ति का परिचायक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह बजट 'समृद्ध मध्यप्रदेश, सम्पन्न मध्यप्रदेश, सुखद मध्यप्रदेश, सांस्कृतिक मध्यप्रदेश' के सपने को साकार करने वाला है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी प्रदेश की जनता पर किसी नए कर बोझ नहीं डाला गया है। सुशासन और सुप्रबंधन के लिए निरंतर

युवा कल्याण के लिए बजट में विशेष प्रावधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना के लिए पर्याप्त धनराशि दी जा रही है। मध्यप्रदेश देश के सबसे युवा तीन प्रदेशों में से एक है। युवा कल्याण के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं। प्रदेश में सांदीपनि विद्यालय, पीएम श्री महाविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालयों का निर्माण किया जा रहा है।

नवाचार और विकास के सभी पैमानों को पूरा करता यह बजट अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधानसभा में वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत होने के बाद यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने रोलिंग बजट को अपनाते हुए वार्षिक बजट को दीर्घकालिक दृष्टि से जोड़ा गया है। रोलिंग बजट प्रस्तुत करने वाला संभवतः मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है। इस बजट से अगले तीन वर्ष के विकास का खाका खीचा जाएगा और यह बजट विकास के लिए सतत् रूप से पर्याप्त धन राशि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगा। यह बजट अमृतकाल 2047 के लिए विकास का पैमाना सिद्ध होगा। वर्ष 2026-27 में राज्य का सकल घरेलु उत्पाद 18 लाख 48 हजार 274 करोड़ रुपए अनुमानित है, जो वर्ष 2025-26 के अनुमान में 10.69 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में वर्ष 2024-25 की तुलना में वर्ष 2025-26 में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2026-27 में पूंजीगत परिव्यय राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 4.80 प्रतिशत अनुमानित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि के लिए 28 हजार 158 करोड़ रूपए, आदान व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए 64 हजार 995 करोड़ रूपए, उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए 8 हजार 91 करोड़ रूपए, सुरक्षा चक्र के लिए 13 हजार 769 करोड़ रूपए सहित कृषि कल्याण के लिए कुल 1 लाख 15 हजार 13 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित है।

शहरों में अधोसंरचना विकास के लिए 'द्वारका योजना'

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व से संबंधित 13 हजार 851 करोड़ के कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिसके अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए 3 हजार 60 करोड़ रूपये का प्रावधान है। शहरों में अधोसंरचना विकास के लिए 'द्वारका योजना' में आगामी तीन वर्षों में 5 हजार करोड़ रूपये का निवेश संभावित है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में आबादी भूमि पर मालिकाना अधिकार की योजना है, जिसमें मुद्रांक एवं पंजीयन का समस्त शुल्क राज्य शासन वहन करेगा। यह देश में अपने तरह का पहला नवाचार है। इसके लिए 3 हजार 800 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

बच्चों को बेहतर पोषण के लिए यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना में 700 करोड़ रूपए का प्रावधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों को बेहतर पोषण मिले, इसके लिए यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना के लिए 700 करोड़ रूपये का प्रावधान है। इस योजनातंर्गत आगामी पांच वर्षों में 6 हजार 600 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए 23 हजार 883 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। किसी भी लाड़ली बहना को उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा और सरकार निर्धारित समय-सीमा में लाड़ली बहनाओं को दी जाने वाली राशि का लक्ष्य प्राप्त करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए 10 हजार 428 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

प्रदेश के इतिहास में पहली बार अधोसंरचना विकास के लिए एक लाख करोड़ रूपए से अधिक का प्रावधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार अधोसंरचना विकास में बजट अनुमान 2026-27 का पूंजीगत परिव्यय रुपये 1 लाख करोड़ रूपये से अधिक है। राज्य सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के समुचित प्रावधान किए हैं। प्रदेश के गठन के बाद पहली बार इतनी बड़ी राशि का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा फोकस सर्वस्पर्शी, समावेशी विकास, सुशासन, पर्यावरण, पर्यटन एवं सांस्कृतिक पुनर्उत्थान पर है। सभी क्षेत्रों में विकास के लिए पर्याप्त प्रावधान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में समृद्ध मध्यप्रदेश की दिशा में ऐतिहासिक बजट : मंत्री विश्वास कैलाश सारंग

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 को विकास, जनकल्याण और आर्थिक अनुशासन का संतुलित एवं दूरदर्शी दस्तावेज बताते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश को विकसित भारत 2047 के संकल्प की दिशा में अग्रसर करने वाला है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि डबल इंजन सरकार के माध्यम से विकास और कल्याण की गाड़ी तेज गति से आगे बढ़ेगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने में मध्यप्रदेश की सार्थक भूमिका सुनिश्चित होगी। श्री सारंग ने कहा कि वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत बजट मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार का तीसरा बजट है, जिसका कुल आकार 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रूपये है। यह प्रदेश का पहला रोलिंग बजट है और वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिए 3600 करोड़ रूपये का विशेष प्रावधान किया गया है। बिना कोई नया टैक्स लगाए विकास को गति देना सरकार की वित्तीय जिम्मेदारी को दर्शाता है।

कौशल विकास एवं रोजगार पर केंद्रित बजट युवाओं के भविष्य को देगा नई दिशा : मंत्री श्री टेटवाल

कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार करने वाला और रोजगार सृजन को गति देने वाला बजट बताया है। उन्होंने कहा कि GYANII आधारित बजट संरचना में युवा शक्ति को केंद्र में रखकर

कौशल उन्नयन, अप्रेंटिसशिप और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नेतृत्व में बजट आत्मनिर्भर, कुशल और सशक्त युवा शक्ति के माध्यम से समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण को नई गति देगा। राज्यमंत्री श्री टेटवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के लिए 750 करोड़ रूपये पोलीटेक्निक संस्थाओं के लिए 295 करोड़ रु., स्वशासी तकनीकी संस्थाओं को सहायता के लिए 250 करोड़ रु. और ए.डी.वी. परियोजना (कौशल विकास) के लिए 110 करोड़ रूपये का प्रावधान युवाओं की तकनीकी क्षमता को मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री कौशल अप्रेंटिसशिप योजना और सी. एम. युवा शक्ति योजना के लिए 100-100 करोड़ रूपये तथा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के लिए 95 करोड़ रूपये प्रावधान उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इंजीनियरिंग महाविद्यालयों और शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं के लिए 70-70 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प पर आधारित प्रदेश के समग्र विकास का बजट : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत बजट का मुख्य फोकस प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प गरीब कल्याण, युवा शक्ति, अन्नदाता, नारी शक्ति, इन्फ्रास्ट्रकचर, इन्डस्ट्री का सर्वांगीण विकास है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि बुधवार को प्रस्तुत यह बजट सामाजिक सुरक्षा, कृषि सुदृढ़ीकरण, औद्योगिक निवेश और अधोसंरचना विकास के संतुलित संयोजन के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने

की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि बजट में सभी वर्गों के कल्याण के लिए समुचित प्रावधान किये गए हैं। विशेष रूप से खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के लिए गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 531 करोड़ अधिक राशि का प्रावधान किया गया है। इससे विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आयेगी। 'रोलिंग बजट' जैसी नवाचार पहल से वित्तीय योजना अधिक पारदर्शी और परिणामोन्मुखी बनेगी।

जनता के लिए निराशाजनक बजट : भाकपा

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने विधान सभा में 18 फरवरी को वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत मध्य प्रदेश सरकार के बजट को गरीबी,महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त जनता के लिए निराशाजनक निरूपित किया है।भाकपा ने बजट के प्रस्तावों में जनहित से जुड़ी भाकपा की मांगों की उपेक्षा करने पर मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार की कड़ी भर्त्सना की है।

भाकपा मध्य प्रदेश के राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार के बजट में गरीबी ,महंगाई और बेरोजगारी दूर करने के लिए कोई प्रभावकारी प्रस्ताव नहीं है। पेट्रोलियम पदार्थों पर मध्य प्रदेश सरकार ने अपना भारी टैक्स कम नहीं किया।भाजपा द्वारा चुनावों के लिए किए गए वादे भी पूरे नहीं किए गए।मध्य प्रदेश में चतुर्थ श्रेणी में सरकारी नौकरी बंद है।

बजट 2026-27 'समृद्ध मध्यप्रदेश 2047' के लक्ष्य की प्राप्ति में सशक्त कदम : राज्यमंत्री श्री पटेल

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को दूरदर्शी, समावेशी और जनकल्याणकारी बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सशक्तिकरण के साथ औद्योगिकीकरण और अधोसंरचना विकास को गति देने वाला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सशक्त, नेतृत्व में यह बजट 'समृद्ध मध्यप्रदेश @2047' के लक्ष्य की प्राप्ति में यह सशक्त कदम है। उन्होंने सर्वस्पर्शी भविष्योन्मुख बजट के लिए उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा का आभार व्यक्त किया है।राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वर्ष 2026-27 के लिए 23,747 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, सुपरस्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवश्यक प्रावधान किए गए है। राज्यमंत्री श्री पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त कर वर्ष-2047 तक मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने में सहायक होगा।

संपादकीय

बजट का शोर और आम आदमी की उलझन

फरवरी का महीना आते ही देश में बजट की चर्चा तेज हो जाती है। पहले केंद्र सरकार और फिर राज्य सरकारें अपने-अपने बजट की तैयारियों में जुट जाती हैं। वित्त मंत्रालय से लेकर नीति-निर्माताओं तक, हर स्तर पर बैठकों का दौर चलता है और अनुमान, आंकड़ों व घोषणाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है। बजट पेश होने वाले दिन संसद और विधानसभाओं में विशेष हलचल रहती है, मानो यह केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं बल्कि एक राजनीतिक उत्सव हो।

बजट से पहले ही सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी-अपनी रणनीति बनाने लगते हैं। सरकार इसे विकास की दिशा में बड़ा कदम बताने की तैयारी करती है, वहीं विपक्ष संभावित खामियों को उजागर करने की रूपरेखा तैयार करता है। जैसे ही बजट पेश होता है, सियासी प्रतिक्रियाओं का सिलसिला शुरू हो जाता है। सरकार के समर्थक इसे 'ऐतिहासिक' और 'जनहितैषी' बताते हैं, जबकि विरोधी इसे 'खोखला' और 'दिशाहीन' कहकर आलोचना करते हैं।

इसके बाद उद्योग जगत की प्रतिक्रिया सामने आती है। उद्योगपति आमतौर पर बेहद संतुलित भाषा का प्रयोग करते हुए बजट को व्यावहारिक बताते हैं। वे न तो पूरी तरह सरकार की प्रशंसा करते हैं और न ही खुलकर आलोचना, बल्कि एक संतुलित टिप्पणी देकर दोनों पक्षों के बीच सामंजस्य बनाए रखने की कोशिश करते दिखाई देते हैं।

विश्लेषकों और विशेषज्ञों का दौर भी यहीं से शुरू होता है। टीवी चैनलों, अखबारों और सोशल मीडिया पर बजट का विश्लेषण अलग-अलग नजरिए से प्रस्तुत किया जाता है। कोई इसे आर्थिक सुधारों का आधार बताता है तो कोई इसमें दूरदर्शिता की कमी खोजता है।

इन तमाम बहसों और दावों-प्रतिदावों के बीच सबसे अधिक भ्रमित आम आदमी ही होता है। वह यह समझ नहीं पाता कि बजट वास्तव में उसके जीवन को कितना प्रभावित करेगा और उसे किस दृष्टिकोण को सही मानना चाहिए। दशकों से चली आ रही यह प्रक्रिया अब एक परंपरा बन चुकी है, जहां बजट केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं बल्कि राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन जाता है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि बजट को शोर-शराबे से अलग कर सरल भाषा में आम नागरिक तक पहुंचाया जाए, ताकि वह भ्रमित होने के बजाय सचेत निर्णय ले सके।

कोष से कल्याण तक: मध्य प्रदेश बजट में सुशासन का शास्त्रीय सूत्र

राहुल कोठारी

'कोषमूलो हि धर्मश्च राज्यं चापि प्रतिष्ठिम् ' महाभारत के शांतिपर्व में इस श्लोक का अर्थ यह है कि राज्य और धर्म, दोनों का आधार सुदृढ़ कोष है। यह श्लोक केवल प्राचीन राजधर्म का दार्शनिक सूत्र नहीं, बल्कि आधुनिक शासन-व्यवस्था का भी शाश्वत मार्गदर्शक सिद्धांत है। जिस राज्य का राजकोष सुदृढ़, अनुशासित और दूरदर्शी हो, वही राज्य सुशासन, सामाजिक न्याय और आर्थिक समृद्धि का स्थायी प्रतिमान स्थापित कर सकता है।

मध्यप्रदेश का 2026-27 का 4.38 लाख करोड़ रुपये का बजट इसी शास्त्रीय दर्शन की समकालीन अभिव्यक्ति है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट विकास की व्यापक दृष्टि का घोषणापत्र है। जहाँ आर्थिक अनुशासन, सामाजिक संवेदनशीलता और निवेशोन्मुख नीति का संतुलित समन्वय स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

विराट आकार, व्यापक दृष्टि और आर्थिक आत्मविश्वास

4,38,317 करोड़ रुपये का यह बजट मध्यप्रदेश की आर्थिक क्षमता और प्रशासनिक आत्मविश्वास का उद्घोष है। यह विस्तार केवल व्यय वृद्धि का संकेत नहीं देता, बल्कि इस बात का द्योतक है कि राज्य ने अपने राजस्व संसाधनों को सुदृढ़ किया है और वित्तीय अनुशासन को बनाए रखा है। राजकोषीय घाटे को नियंत्रित दायरे में रखते हुए पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि करना इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने विकास और संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित किया है। यह संतुलन ही सुशासन की पहचान है।

यहां पर अर्थशास्त्र का सूत्र स्मरणीय है ।

कोषपूर्वाः सर्वारम्भाः अर्थात सभी कार्यों का प्रारंभ कोष से होता है। जब कोष सशक्त होता है, तभी राज्य विकास की योजनाओं को गति और स्थायित्व प्रदान कर सकता है। डॉ. मोहन यादव ने इसी सिद्धांत को व्यवहार में परिणत करते हुए पहले आर्थिक आधार को मजबूत किया और फिर योजनाओं का विस्तार सुनिश्चित किया।

कर नीति में संतुलन और संवेदनशीलता

मनुस्मृति का यह प्रसिद्ध श्लोक आज भी नीति-निर्माण में प्रासंगिक है

यथा मधु समादत्ते रक्षन् पुष्पाणि षट्पदः

तद्वद् राज्ञा समादेयं राष्ट्रादबलिमदुःखितम

जैसे मधुमक्खी फूलों को क्षति पहुँचाए बिना मधु ग्रहण करती है, वैसे ही शासक को प्रजा से कर लेना चाहिए, बिना उन्हें कष्ट दिए। मध्यप्रदेश की कर नीति इसी संतुलन की परिचायक है। करदाताओं पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना राजस्व वृद्धि के लिए डिजिटलीकरण, पारदर्शिता और कर प्रशासन में सुधार को प्राथमिकता दी गई है। इससे राज्य की आय में स्वाभाविक वृद्धि होती है और नागरिकों का विश्वास भी सुदृढ़ रहता है। यह नीति उद्योग जगत और मध्यम वर्ग दोनों के लिए आश्वस्तकारी है। स्थिर कर-प्रणाली निवेश-अनुकूल वातावरण का निर्माण करती है, जो आर्थिक विस्तार का आधार बनती है।

लाड़ली बहनाः आर्थिक स्वाभिमान का विस्तार

लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत लाखों महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान करना महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रदेश का ऐतिहासिक कदम था, जो इस वित्तीय वर्ष भी जारी रहेगा। इस योजना के दूरगामी प्रभाव स्पष्ट हैं। परिवारों की आय-संरचना में स्थिरता आती है। ग्रामीण बाजारों में क्रय-शक्ति बढ़ती है। महिलाएँ आर्थिक निर्णयों में सक्रिय भागीदारी निभाती हैं।

यह केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान की स्थापना है।

किसान खुशहालः अन्नदाता का सुदृढ़ीकरण

महाभारत में कहा गया है,

अर्थो हि मूलं पुरुषाथार्ना '

धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष, इन चार पुरुषार्थों में 'अर्थ'आधार है। कृषि प्रधान राज्य में अर्थ का मूल स्रोत किसान है। बजट में किसानों के लिए सिंचाई विस्तार, फसल बीमा सुदृढ़ीकरण, समर्थन मूल्य व्यवस्था और कृषि यंत्रीकरण जैसे प्रावधान किए गए हैं। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि और आय में स्थिरता सुनिश्चित होती है। किसान की समृद्धि केवल ग्रामीण क्षेत्र की उन्नति नहीं, बल्कि राज्य की समग्र आर्थिक संरचना की मजबूती है।

पूंजीगत व्ययः दीर्घकालिक विकास की आधारशिला

बजट में पूंजीगत व्यय पर विशेष बल दिया गया है। सड़क, पुल, औद्योगिक कॉरिडोर, जल संसाधन और नगरीय अधोसंरचना में निवेश से राज्य के आर्थिक भविष्य को सुदृढ़ आधार मिलता है।

चाणक्य नीति का वचन यहाँ प्रासंगिक है ।

तस्मान्नित्योत्थितो राजा कुर्यादर्थानुशासनम्

अर्थात शासक को निरंतर उद्यमशील रहकर अर्थ-व्यवस्था का अनुशासन करना चाहिए। डॉ. मोहन यादव का नेतृत्व इसी सक्रियता का उदाहरण है। अधोसंरचना में निवेश से रोजगार सृजन, औद्योगिक विस्तार और निवेश आकर्षण को गति मिलती है।

ज्ञानी मॉडलः समावेशी विकास की परिकल्पना

गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी, इन चार वर्गों को केंद्र में रखकर विकास की जो रूपरेखा तैयार की गई है, वह समावेशी सोच का प्रमाण है। गरीबों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास, किसानों के लिए समर्थन और महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण, यह चतुर्भुज विकास की संतुलित अवधारणा प्रस्तुत करता है।

शास्त्रीय सिद्धांतों का आधुनिक अनुप्रयोग

महाभारत, मनुस्मृति और अर्थशास्त्र के श्लोकों में वर्णित राजकोषीय सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। सुदृढ़ कोष से सुशासन संभव है। संतुलित कर नीति से प्रजा संतुष्ट रहती है। आर्थिक अनुशासन से समृद्धि आती है। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट इन सिद्धांतों का आधुनिक रूपांतरण है। यह विकास के चटक रंगों से सुसज्जित दस्तावेज है। जहाँ बहना निहाल है, किसान खुशहाल है, युवा आशावान है और उद्योगों को खुला आकाश प्राप्त है। अंततः, कोषमूलो हि धर्मश्च राज्यं चापि प्रतिष्ठितम। यह शाश्वत वाक्य आज भी सत्य है, और मध्यप्रदेश का यह बजट उसी सत्य का सजीव प्रमाण है।

(लेखक मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री हैं।)
(विनायक फीचर्स)

प्रचारात्मक बजट और बढ़ते कर्ज का विरोधाभास : एक समालोचनात्मक दृष्टि

रघु ठाकुर

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को लेकर विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। इस संदर्भ में लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक श्री रघु ठाकुर ने बजट को 'प्रचारात्मक बजट' करार देते हुए इसे उस ढोल से तुलना की है जिसकी आवाज तो आकर्षक होती है, पर भीतर से वह खोखला रहता है। उनका मानना है कि बजट के आंकड़ों की चमक वास्तविक आर्थिक चुनौतियों को ढकने का प्रयास मात्र है।

सबसे प्रमुख चिंता का विषय राज्य का बढ़ता कर्ज है। नए वित्तीय वर्ष में लगभग 54 हजार 448 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज लेने की योजना उस स्थिति में और गंभीर प्रतीत होती है जब प्रदेश पहले से ही भारी ऋणभार से दबा हुआ है। बजट की एक बड़ी राशि ब्याज भुगतान में ही खर्च हो जाने की आशंका जताई जा रही है, जिससे विकास कार्यों के लिए वास्तविक उपलब्ध संसाधन सीमित हो जाते हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में निःशुल्क उपचार योजना के लिए लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें प्रति मरीज पांच लाख रुपये तक के इलाज की बात कही गई है। इस गणना के आधार पर पूरे वर्ष में लगभग 50 हजार मरीजों को ही लाभ मिल सकेगा, जो कि लगभग 9 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश के लिए अत्यंत सीमित प्रतीत होता है। यह स्थिति 'ऊंट के मुंह में जीरा' जैसी कहावत को भी पीछे छोड़ती दिखाई देती है।

सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाएं--जैसे छात्रवृत्ति, पेंशन एवं सामाजिक पेंशन--को जारी रखा गया है, परंतु उनमें कोई उल्लेखनीय विस्तार या संरचनात्मक सुधार नजर नहीं आता। इससे यह संकेत मिलता है कि बजट में नई सामाजिक दृष्टि के बजाय पूर्ववत योजनाओं का निरंतरता मात्र अधिक है।

कृषि और सिंचाई क्षेत्र को लेकर सरकार ने साढ़े सात लाख हेक्टेयर (लगभग 20 लाख एकड़) भूमि में सिंचाई वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया है। हालांकि, इस क्षेत्र के लिए घोषित लगभग 88 हजार 900 करोड़ रुपये के बजट में से करीब आधी राशि स्थापना व्यय में चली जाने की आशंका है। ऐसे में वास्तविक विकास कार्यों के लिए शेष राशि से इतने बड़े लक्ष्य की पूर्ति पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं।

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए 2364 करोड़ रुपये तथा तीन हजार गौशालाओं के आधुनिकीकरण का लक्ष्य घोषित किया गया है, परंतु इनके क्रियान्वयन की स्पष्ट कार्ययोजना का अभाव भी आलोचना का विषय बना हुआ है। योजनाओं की रूपरेखा स्पष्ट न होने से उनके वास्तविक परिणामों को लेकर संशय उत्पन्न होता है।

हालांकि बजट में कुछ सकारात्मक पहलुओं को भी रेखांकित किया गया है। विद्यार्थियों के लिए साइकिल योजना को सराहनीय बताया गया है। प्रत्येक जिले में खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव व्यवहारिक और रोजगार सृजन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा सकता है। इसी प्रकार एक लाख सोलर पंप लगाने की योजना कृषि विकास के लिए उपयोगी कदम के रूप में देखी जा रही है।

फसल बीमा के लिए 1299 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रदेश की भौगोलिक एवं कृषि जोखिम की स्थिति को देखते हुए अपर्याप्त माना जा रहा है, विशेषकर तब जब पिछले वर्षों में फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है। इसके अतिरिक्त निवेशकों को आकर्षित करने हेतु आयोजित निवेश सम्मेलनों की उपलब्धियों का बजट में स्पष्ट उल्लेख न होना भी प्रश्नों को जन्म देता है।

राज्य की आर्थिक नीति को लेकर एक वैचारिक आलोचना भी सामने आती है कि वर्षों से कर्जमुक्त प्रदेश का वादा किया जाता रहा है, किंतु कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। लोकलुभावन योजनाओं पर बढ़ते व्यय को लेकर यह आशंका व्यक्त की गई है कि दीर्घकालिक वित्तीय संतुलन प्रभावित हो सकता है।

समग्रतः यह बजट आंकड़ों और घोषणाओं के स्तर पर प्रभावशाली प्रतीत होता है, किंतु उसके क्रियान्वयन, वित्तीय संतुलन और वास्तविक जनहितकारी प्रभाव को लेकर गंभीर प्रश्न उठते हैं। यदि योजनाओं की स्पष्ट कार्ययोजना, पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित नहीं किया गया, तो बजट का प्रचारात्मक स्वरूप विकास की वास्तविक आवश्यकताओं पर भारी पड़ सकता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर विशेष

छत्रपति शिवाजी: अद्वितीय राष्ट्रनायक और मध्ययुगीन भारत के रचनात्मक जीनियस महानता जो समय से परे है

समीर चौगांवकर

शिवाजी केवल मराठा राष्ट्र के निर्माता नहीं थे, बल्कि मध्ययुगीन भारत के सबसे महान रचनात्मक जीनियसों में से एक थे। इतिहास में अनेक राज्य गिरे, साम्राज्य विखण्डित हुए और वंश लुप्त हो गए, किन्तु एक सच्चे नायक के रूप में शिवाजी महाराज की स्मृति समस्त मानव जाति के लिए अखण्ड ऐतिहासिक विरासत बन गई। भारत के सुदीर्घ इतिहास में अनेक राजा, महाराजा, सम्राट और नरेश हुए, परंतु 'छत्रपति' की उपाधि जिस गौरव और अर्थपूर्ण गरिमा के साथ प्रतिष्ठित हुई, वह केवल शिवाजी के व्यक्तित्व से ही संभव हो सकी।

अद्वितीय व्यक्तित्व और राष्ट्रीय गौरव- भारत के इतिहास में शिवाजी जैसे अतुल्य और अद्वितीय नायक का उदाहरण विरल है। महाराष्ट्र में वे देवतुल्य पूजनीय हैं ही, साथ ही सम्पूर्ण भारतवर्ष के लिए भी वे अगाध सम्मान के पात्र हैं। उनकी महानता केवल मराठा साम्राज्य की स्थापना या उनकी अद्भुत सैन्य प्रतिभा तक सीमित नहीं थी, बल्कि उनके चरित्रगत गुण, नैतिक निष्ठा और राष्ट्रभक्ति

उनके व्यक्तित्व के केंद्रीय स्तंभ थे।

विपरीत परिस्थितियों में उदित महानायक- सत्रहवीं शताब्दी का वह कालखंड भारतीय अस्मिता के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। जब देश का गौरव पददलित हो रहा था, तब शिवाजी अग्नि-शलाका की भाँति देदीप्यमान हुए। उन्होंने पूना की एक छोटी-सी जागीर से उठकर मुगल, बीजापुर तथा यूरोपीय शक्तियों के मध्य एक विराट मराठा साम्राज्य की स्थापना की। यह केवल वीरता का कार्य नहीं था, बल्कि असाधारण धैर्य, दूरदर्शिता और संगठन क्षमता का प्रमाण भी था।

आदर्श शासन और नैतिकता का समन्वय- शिवाजी ने केवल एक स्वतंत्र राज्य का निर्माण ही नहीं किया, बल्कि उसे भारतीय परम्पराओं के अनुरूप आदर्श शासन व्यवस्था पर संगठित किया। उनके किलों का सुदृढ़ प्रबंधन, संगठित सेना एवं नौसेना, रैय्यतवाड़ी व्यवस्था, नकद वेतन प्रणाली तथा प्रशासनिक अनुशासन उनके उच्च नैतिक आदर्शों को प्रतिबिंबित करते थे। यद्यपि उनका राज्य युद्धाश्रित था, जिसके कारण स्थायित्व की चुनौती बनी रही, फिर भी उनकी शासन प्रणाली दूरदर्शी और प्रजाकेंद्रित थी।

स्वाभिमान, संघर्ष और शाश्वत प्रेरणा- शिवाजी की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल विजय प्राप्त करना नहीं थी, बल्कि दमित भारत में स्वाभिमान और संघर्ष की चेतना जागृत करना था। उन्होंने असम्भव प्रतीत होने वाली लड़ाइयाँ लड़ीं, विजयों की गाथाएँ रचीं और अनेक किंवदंतियों के केंद्र बने। वे भारतीय इतिहास के ऐसे शलाका-पुरुष हैं, जिनका व्यक्तित्व आज भी प्रेरणा, आकर्षण और राष्ट्रीय गौरव का स्रोत है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है।

शिवाजी महाराज का असली ज्ञात चित्र सन 1765

हिन्दवी स्वराज्य के संस्थापाक, वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूं।

उन्होंने अभूतपूर्व पराक्रम, शौर्य और युद्ध कौशल से अखंड भारत का संकल्प साकार किया और मां भारती के

स्वाभिमान के लिए जीवन समर्पित कर दिया। उनका जीवन युवाओं को प्रेरित करता रहेगा।

जय भवानी जय शिवाजी

शिवाजी महाराज का असली ज्ञात चित्र सन 1919 में इतिहासकार वासुदेव सीताराम बेंद्रे के प्रयासों से लंदन में शोध के दौरान प्राप्त हुआ था, यह चित्र शिवाजी महाराज के समकालीन डच गवर्नर से शिवाजी महाराज की भेंट के दौरान सन 1764...1765 के मध्य बनाया गया था

'हमें संसार के स्वामी ईश्वर की वेदाज्ञाओं का पालन करना चाहिये'

मनमोहन कुमार आर्य

हम परमात्मा के बनाये हुए इस संसार में रहते हैं। इस संसार के सूर्य, चन्द्र, पृथिवी सहित पृथिवी के सभी पदार्थों, वनस्पतियों एवं प्राणी जगत को भी परमात्मा ने ही बनाया है। हमारा जन्मदाता, पालनकर्ता तथा मुक्ति सुखों सहित सांसारिक सुखों का दाता भी परमात्मा ही है। यह सिद्धान्त सत्य वैदिक सिद्धान्त है जिसका अध्ययन कर प्रत्यक्ष अनुभव किया जा सकता है। इस सिद्धान्त को जान लेने के बाद सभी मनुष्यों का कर्तव्य होता है कि वह अपने सभी कार्य व आचरण ईश्वर द्वारा वेदों में की गई परमात्मा की शिक्षाओं, प्रेरणाओं व आज्ञाओं के अनुसार करें। ऐसा करने पर ही मनुष्य सुखी रहकर जीवन के उद्देश्य ज्ञान प्राप्ति तथा बल प्राप्ति सहित जन्म व मरण के बन्धनों से मुक्ति को प्राप्त हो सकता है। मनुष्य यदि परमात्मा की वेदाज्ञाओं के विपरीत आचरण करता है तो वह परमात्मा की व्यवस्था से दण्ड प्राप्ति का अधिकारी होता है। यह दण्ड दुःख व रोग सहित भावी जन्मों में मनुष्य योनि के स्थान पर नाना पशु, पक्षी आदि योनियों में जन्म के रूप में भी हो सकता है। अतः मनुष्य को इस संसार के स्वामी परमात्मा की मनुष्यों को की गई आज्ञाओं का अध्ययन करने हेतु वेद व वेदानुकूल ग्रन्थों का अध्ययन करना चाहिये। सत्यार्थप्रकाश, ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, संस्कारविधि, चतुर्वेद भाष्य, पंचमहायज्ञविधि, व्यवहारभानु आदि हमें परमात्मा की वेदाज्ञाओं से परिचित कराते हैं। वेद व प्रामाणिक वेदभाष्यों सहित उपनिषद, दर्शन, विशुद्ध मनुस्मृति आदि ग्रन्थों का अध्ययन कर भी ईश्वर की आज्ञाओं को जाना जाता है। इसके लिए सरलतम व सुलभ साधन तो सत्यार्थप्रकाश का अध्ययन ही प्रतीत होता है। इसका कारण इस ग्रन्थ का आर्यभाषा हिन्दी में होना तथा इसके अनेक भाषाओं में अनुवादों का उपलब्ध होना भी है।

वेद मनुष्यों को ज्ञान प्राप्ति तथा सद्कर्म करने की प्रेरणा करते हैं। ज्ञान प्राप्ति वेद, उपनिषद, दर्शन, विशुद्ध मनुस्मृति सहित सत्यार्थप्रकाश, ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, संस्कारविधि, आर्याभिविनय, पंचमहायज्ञविधि एवं ऋषि दयानन्द ऋग्वेद एवं यजुर्वेद भाष्य के अध्ययन से मुख्यतः होती है। मनुष्य को पुरुषार्थ एवं तप से युक्त जीवन व्यतीत करना चाहिये। वेदों के आधार पर मनुष्यों के मुख्य पांच कर्तव्य बताये गये हैं। मनुष्य का प्रथम कर्तव्य स्वाध्याय व विद्वानों के उपदेशों से ईश्वर के सत्यस्वरूप को जानना तथा वेद व ऋषियों द्वारा प्रवृत्त उपासना पद्धति से उपासना करना होता है। उपासना में ईश्वर के सत्य गुणों, कर्मों व स्वभावों के अनुरूप स्तुति तथा प्रार्थना आदि करना सम्मिलित होता है। स्वाध्याय एवं ईश्वर की स्तुति से मनुष्य का ज्ञान बढ़ता है तथा उसके अभिमान व अहंकार में कमी आती है। उपासना से मनुष्य निरभिमानी बनता है। ईश्वर स्वयं अहंकार से रहित है अतः उनकी सन्तान होने के कारण हमें भी अभिमान से सर्वथा रहित होना चाहिये। ईश्वर में अनन्त गुण व कर्म हैं। इन गुणों का विचार व चिन्तन करने से हमारे गुण, कर्म व स्वभाव भी सुधरते व ईश्वर के गुणों के अनुरूप बनते हैं। मनुष्य के गुण, कर्म व स्वभाव का सुधरना ईश्वर की स्तुति तथा प्रार्थना का महत्वपूर्ण लाभ होता है। ईश्वर की प्रतिदिन प्रातः व सायं स्तुति, प्रार्थना व उपासना करने से मनुष्य ईश्वर का सच्चा उपासक बन जाता है। वह बिना ईश्वर की उपासना के रह नहीं सकता। उसमें उपासना की प्रवृत्ति उत्पन्न व प्रबल हो जाती है। उपासना में उसका मन लगने लगता है। ऐसा करने से वह अपकर्मों व पाप कर्मों से बचता भी है जिससे उसे वर्तमान व भावी जीवन में दुःख नहीं होते।

ईश्वर की उपासना करना मनुष्य का प्रमुख कर्तव्य इसलिए भी होता है कि ईश्वर ने संसार व इसके सभी पदार्थ जीवों के सुख व उपभोग

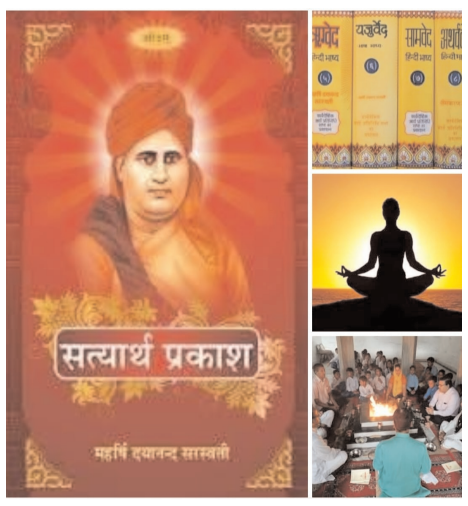

के लिए ही बनाये हैं। यदि ईश्वर संसार को न बनाता और हमें मानव शरीर न देता तो हम आत्मा को प्राप्त होने वाले सभी सुखों से वंचित होते। इतना महान उपकार ईश्वर ने हम पर अपनी अहेतुकी कृपा से किया है। हमसे कुछ लिया नहीं और न ही वह हमसे कुछ अपेक्षा करता है। ऐसा ईश्वर वस्तुतः अपने महान गुणों व उपकारों के कारण सब मनुष्यों का स्तुत्य व उपासनीय होता है। अतः कृतघ्नता से बचने व उपासना के लाभों को प्राप्त करने के लिए सभी मनुष्यों को प्रतिदिन प्रातः व सायं ईश्वर की उपासना अवश्य करनी चाहिये। इसे करने से मनुष्य को सत्यधर्म, शुद्ध अर्थ, पवित्र कामनाओं व मोक्ष की प्राप्ति होती है। मोक्ष की प्राप्ति ही जीवात्मा का मुख्य उद्देश्य होता है। मोक्ष में जीवात्मा जन्म व मरण के बन्धनों, सभी दुःखों वा बार बार के आवागमन से मुक्त हो जाता है। जीवात्मा मोक्ष में ईश्वर के सान्निध्य में रहकर पूर्ण आनन्द का भोग करते हुए 31 नील वर्षों से अधिक अवधि तक आनन्द व सुख भोगता है। अतः सभी मनुष्यों को ऋषियों के अनुसार अपना जीवन बनाकर उपासना को महत्व देना चाहिये और अपना भविष्य सुधारना चाहिये।

मनुष्यों का वेदनिहित दूसरा प्रमुख कर्तव्य देवयज्ञ अग्निहोत्र का प्रातः व सायं अनुष्ठान करना होता है। ऐसा वायु, जल, अन्न व ओषधियों की शुद्धि के लिए किया जाता है। हम जानते हैं कि मनुष्य श्वास व प्रश्वास द्वारा दूषित वायु का त्याग करता है। मल मूत्र के त्याग से भी वायु, जल व भूमि में प्रदूषण होता है। चैका चक्की आदि के कार्यों से भी वायु प्रदुषण होता है। वायु व जल आदि की अशुद्धि से रोग उत्पन्न होते व स्वयं व अन्य मनुष्यों व प्राणियों को भी दुःख होता है। इस दोष के निवारणार्थ ऋषियों ने देवयज्ञ अग्निहोत्र करने का विधान किया है। देवयज्ञ में हम सुगन्धित गोघृत सहित ओषधियों, अन्न, मिष्ट व पुष्टिकारक पदार्थों की अग्नि में वेदमन्त्रों के उच्चारण के साथ आहुतियां देते हैं जिससे वायु एवं जल का शोधन होता है। वायु व जल के शोधन से अन्न भी उत्तम कोटि का उत्पन्न होता है। इन सब कार्यों से मनुष्य को स्वयं व दूसरे प्राणियों को भी सुखों की प्राप्ति होती है। देवयज्ञ करना पुण्य कर्म होता है। पुण्यकर्म वह होते हैं जिससे हम दूसरे प्राणियों को लाभ पहुंचाते हैं। ऐसा करने से हमें पुण्य मिलता व परमात्मा की व्यवस्था से जन्म-जन्मान्तर में सुख मिलने के साथ हमारे भावी जन्म व जीवन सुधरते व मृत्यु होने पर जीवात्मा को उत्तम योनियां प्राप्त होती हैं। अतः हमें पंचमहायज्ञों के अन्तर्गत दूसरे देवयज्ञ का सेवन भी पूर्ण श्रद्धा व निष्ठा से जीवन भर करना चाहिये। ऐसा करने से हमें उपासना से होने वाले लाभों की भांति ही अनेक लाभ प्राप्त होंगे। यज्ञ पर अनेक अनुसंधान हुए हैं। इनसे विदित होता है कि यज्ञ करने से मनुष्य को रोग नहीं होते हैं और यज्ञ का अनेक रोगों पर रोगनिवारक प्रभाव भी होता है। मनुष्य का शरीर ही नहीं अपितु उसके मन, बुद्धि, चित्त व आत्मा भी स्वस्थ होते हैं।

पंचमहायज्ञों में तीसरे, चौथे तथा पांचवें कर्तव्यों में पितृ-यज्ञ, अतिथि-यज्ञ तथा बलिवैश्वदेव-यज्ञ करने का विधान है। इसका उल्लेख एवं विस्तृत वर्णन सत्यार्थप्रकाश एवं पंचमहायज्ञ विधि आदि ग्रन्थों में मिलता है। पितृ यज्ञ में श्रद्धापूर्वक माता, पिता व वृद्ध जनों की सेवा की जाती है। अतिथि यज्ञ में देश व समाज के विद्वानों की अपने निवास पर आने पर माता, पिता आदि के समान श्रद्धापूर्वक सेवा की जाती है और उनके देश व समाज हितकारी कार्यों में यथाशक्ति सहायता की जाती है। पांचवें वैदिक कर्तव्य बलिवैश्वदेव यज्ञ में पशु, पक्षियों को चारा व दाना खिलाया जाता है। इस कर्म से भी मनुष्य को पुण्य अर्जित होता है। पशु व पक्षी आदि भोग योनियां होती हैं। इन योनियों में जीवात्मा मनुष्य जीवन में अपने कुछ पाप कर्मों का फल भोगते हैं। यह योनियां एक प्रकार से परमात्मा की जेल होती हैं जहां रहकर जीवात्मा का सुधार होता है और भोग पूरे होने पर उन्हें पुनः मनुष्य योनि प्राप्त होती है। वर्तमान जेलों में अपराधी मनुष्यों को भी भोजन व अन्य सुविधायें प्राप्त होती है। अतः हम ज्ञान व बल सम्पन्न मनुष्यों को भी परमात्मा के इन सुधार गृहों की उत्तम व्यवस्था करनी चाहिये और प्रतिदिन कुछ मात्रा में पशु व पक्षियों को भोजन कराने सहित उनके प्रति 'वसुधैव कुटुम्बकम्' वा सबमें एक समान आत्मा के होने का भाव रखना चाहिये।

वेदों में गर्भाधान से लेकर अन्त्येष्टि पर्यन्त मनुष्यों के सत्य कर्म व कर्तव्यों का विधान है। यह विधान सृष्टि के स्वामी परमात्मा ने किये हैं। मनुष्यों को वेदों का अध्ययन कर उन वेद विधानों का पालन करना चाहिये। ऐसा करने से ही मनुष्य का जन्म व जीवन सफल होता है तथा उसकी सांसारिक तथा पारलौकिक उन्नति होती है। इन्हीं शब्दों के साथ हम लेख को विराम देते हैं। ओ३म् शम।

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं का यौन अधिनियम उत्पीड़न अधिनियम विषय पर कार्यशाला आयोजित

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना तथा कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध, निवारण) अधिनियम अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें सभी जिला अधिकारियों को कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम के तहत कार्यालयों में समितिसां गठित किए जाने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश जैन ने अधिनियम के तहत समिति गठित किए जाने, समिति के सदस्यों का चयन, शिकायत प्राप्त होने पर की जाने कार्यवाही की प्रक्रिया सहित अधिनियम के संबंध में जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर्स प्रार्थना मिश्रा द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओ का लैंगिक उत्पीडन अधिनियम (रोकथाम,निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 के संबंध में पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। शाखा प्रभारी शिवानी राजपूत द्वारा शी बॉक्स पोर्टल के संबंध में जानकारी प्रदान की गई एवं सभी विभाग अधिकारियों को पोर्टल पर जानकारी अधतन करने के संबंध में बताया गया।

धरती आबा अभियान अंतर्गत सत्ताखेड़ी जाजौन में शिविर आयोजित

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के अंतर्गत चिह्नित सहरिया जनजाति के सर्वांगीण विकास हेतु धरती आबा अभियान के तहत ग्राम सत्ताखेड़ी जाजौन में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। आयोजित शिविर में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, कृषि तथा अन्य विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं एवं आवेदनों को प्राप्त कर उनके निराकरण की कार्यवाही प्रारंभ की गई। शिविर में ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, पात्रता पर्ची, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, किसान कल्याण योजनाओं एवं अन्य योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। पात्र हितग्राहियों के आवेदन मौके पर ही भरवाए गए तथा आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन भी किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविरों का मुख्य उद्देश्य योजनाओं को गांव स्तर तक पहुंचाना एवं पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करना है। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी समस्याएं एवं आवेदन प्रस्तुत किए।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के द्वारा थाना सिविल लाइन विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 745/2025 की विभिन्न धाराओ के फरार आरोपीगण सोहन पुत्र मोहन मोगिया (पारदी), जैकी पुत्र गौतम मोगिया (पारदी), उवेश उर्फ उमेश पुत्र स्व रमन मोगिया (पारदी) निवासीगण ग्राम गुलगांव थाना सांची जिला रायसेन (म0प्र0) की सूचना देने वालो को दो-दो हजार रूपए (प्रत्येक पर) नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

बेहड़ी ढाना के आंगनवाड़ी में कुष्ठ विकृति एवं बचाव शिविर का आयोजन

बैतूल (निप्र)। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम बेहड़ीढाना आंगनवाड़ी क्रमांक-3 में कुष्ठ विकृति एवं बचाव शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि शिविर में 12 मरीजो को एमसीआर माइक्रो सेल्यूलर रबर जूते और सैंडल का वितरण किया गया।कुष्ठ मरीजों को अपनी दिनचर्या में सावधानी बरतने की समझाइश दी गई एवं विकृति से बचाने के लिए कृत्रिम पसीना बनाने की विधि बताई गई और हाथ-पैरों को सुरक्षित रखने, देखभाल करना सिखाया गया। इसके अलावा प्रभावित स्थान को चोट से बचाने की सलाह भी दी गई। साथ ही बताया कि नहाते समय गर्म पानी का उपयोग न करें, चाय के कप को गमछे से या अन्य किसी कपड़े से पड़कर ही चाय पिए, खाना बनाते समय शंसी का उपयोग करें, नंगे पैर ना चले, एक बार दवाई चालू करने के उपरांत इसे लगातार एक वर्ष तक खाएं। शिविर में उपस्थित मरीजों को जल तेल उपचार करने की शपथ दिलाई गई। शिविर में विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक ईश्वर मंडलेकर, एनएमए श्री राजेश मेहतो, श्री लिखीराम सागरे, सरोज भोसले, एएनएम लता भोरसे, संगीता भोरवंशी, कंचन पाण्डे, नरेन्द्र भोरसे उपस्थित रहे।

मेला कमेटी ने मेले को लेकर प्रशासन से मांगा सहयोग

बांकी माता व मुसाण्या भैरव बाबा के 6 दिवसीय लख्खी मेले को लेकर तैयारियां पूर्ण

रायसर। कस्बे कि उत्तरी अरावली पर्वत माला पर विराजित बांकी माता व दक्षिण में विराजमान मुसाण्या भैरव बाबा का 6 दिवसीय लख्खी मेला 20 फरवरी से शुरू होगा। वार्षिक लख्खी मेले को लेकर बांकी माता सेवा समिति व श्री मुसाण्या भैरव बाबा सेवा समिति ने मेले में आने वाले दूर दराज के श्रद्धालुओं कि व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन, विद्युत निगम,नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग,जलदाय विभाग, परिवहन निगम, अग्नि संबंध सहित सभी विभागों से सेवाएं मांगी है। बांकी माता सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि 6 दिवसीय लख्खी मेला 20 फरवरी से शुरू होगा और 23 फरवरी सप्तमी को मुसाण्या भैरव बाबा का मुख्य मेला भरेगा व 24 को बांकी माता का मुख्य मेला भरेगा एवं 25 फरवरी को कस्बे में गुदड़ी के मेले के साथ 6 दिवसीय लख्खी मेले का समापन होगा। मेले में

दिल्ली, मुंबई, कोलकाता ,गुजरात,छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित देशभर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु भैरव बाबा व बांकी माता के दर्शनों के लिए आएंगे।

750 सीढियां चढ़कर होंगे बांकी माता के दर्शन। जानकारी के अनुसार कस्बे की उत्तरी अरावली पर्वत माला पर विराजित बांकी माता मंदिर में दर्शनों के लिए आने वाले भक्तों को 750 सीढियां चढ़ने के बाद माता रानी के दर्शन करने पड़ेंगे।

मनचलों व बदमाशों कि निगरानी के लिए लगाएं जाएंगे सीसीटीवी कैमरे। जानकारी के अनुसार बांकी माता मेले में बदमाशों व मनचलों कि निगरानी के लिए मेला कमेटी द्वारा बांकी माता मंदिर, सीढियां,मेला मैदान व मुसाण्या भैरव बाबा मंदिर एवं मेला मैदान में करीब 85 सीसीटीवी कैमरे व 2 ड्रोन एवं एक क्रेन कैमरे लगाए जाएंगे और बड़ी स्क्रीन पर लाइव दिखाया जाएगा। मेले में बदमाशी करने वाले व मनचलों पर कैमरों से विशेष निगरानी की जाएंगी।

प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय

दिनभर छाएं बादल, मेघगर्जन के साथ रुक-रुककर बारिश

ठंडी हवाओं से बढ़ी सर्दी, किसानों के लिए मावठ लाभकारी तो कटाई में जुटे किसान चिंतित

राहौरी। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बुधवार को क्षेत्र में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुककर बारिश का दौर चलता रहा। इस दौरान चली पैनी ठंडी हवाओं ने लोगों को ठिठुरा दिया, जिससे जनजीवन प्रभावित रहा।

क्षेत्र में सुबह करीब साढ़े नौ बजे हल्की बारिश का दौर शुरू हुआ, जो लगभग आधे घंटे तक चला। दोपहर सवा 12 बजे तेज मेघगर्जन के साथ करीब आधे घंटे तक झमाझम बारिश हुई। इसके बाद दो बजे फिर बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बारिश शुरू हुई। दो बजकर 18 मिनट पर तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली कड़कने से लोग दहशत में आ गए। करीब साढ़े तीन बजे एक बार फिर रिमझिम बारिश का दौर चला। बारिश और बर्फीली हवाओं के चलते वातावरण ठंडा हो गया। जिससे तेज सर्दी फिर बढ़ गई।

फसलों के लिए संजीवनी बनी मावठ- किसानों के अनुसार फसल पकाव के समय हुई यह मावठ गेहूं, जौ और चना जैसी रबी फसलों के लिए लाभकारी साबित होगी। विशेषकर गेहूं और जौ की कमजोर व पछेती फसलों के लिए इसे संजीवनी बताया जा रहा है। किसानों का कहना है कि फसलें दाना पकने की अवस्था में हैं, ऐसे में यह बारिश अमृत समान है।

हालांकि जिन किसानों के खेतों में जौ व गेहूं की अगेती फसल की कटाई चल रही है, उनकी चिंता बढ़ गई है। उनका कहना है कि यदि ओलावृष्टि और बारिश तेज हुई तो पकी हुई फसल खराब हो सकती है। किसान कजोड़मल मीणा ने बताया कि ताजा सिंचाई के बाद बारिश और तेज हवाओं से गेहूं की फसल आड़ी पड़ने लगी है, जिससे नुकसान की आशंका बढ़ गई है। फिलहाल ओलावृष्टि नहीं होने से किसानों और आमजन ने राहत की सांस ली है, लेकिन मौसम के बदले मिजाज को लेकर सतर्कता बनी हुई है।

टिकट न देने, अधिक किराया व धमकाने का आरोप, यात्री ने परिवहन विभाग से जांच की मांग

राजगढ़ /ब्यावरा। सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में यातायात नियमों के कथित उल्लंघन और यात्रियों के साथ अनदेखी व मानसिक प्रताड़ना का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता श्याम सुंदर शर्मा ने परिवहन विभाग के उच्च अधिकारियों एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, जिला राजगढ़ से लिखित शिकायत कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में बताया गया है कि 18 फरवरी 2026 की रात्रि लगभग 8 बजे वे पवन ट्रेवल्स की बस (एमपी 39 पी 0559) से राजगढ़ से ब्यावरा की यात्रा हेतु बैठे थे। बस निर्धारित समय से रवाना होकर करीब 8:55 बजे ब्यावरा-भोपाल चौराहे पर उतार दिया गया। आरोप है कि परिचालक द्वारा राजगढ़ से ब्यावरा तक का किराया 40 रुपये लिया गया, लेकिन बार-बार मांग करने के बावजूद टिकट उपलब्ध नहीं कराया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि न केवल उन्हें बल्कि बस में सवार अन्य यात्रियों को भी टिकट नहीं दिया गया।

श्याम सुंदर शर्मा के अनुसार जब उन्होंने टिकट पर किराया और वाहन नंबर लिखकर देने का आग्रह किया तो टालमटोल की गई। बाद में बस के कर्मचारियों से जानकारी लेने और वाहन की नंबर प्लेट का फोटो लेने पर उन्हें धमकाने का भी आरोप लगाया गया। उनका कहना है कि कर्मचारियों ने टिकट की मांग करने पर नाराजगी जताई और बस लेकर आगे रवाना हो गए।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि बस में किराया सूची प्रदर्शित नहीं थी, कर्मचारियों की वर्दी नहीं थी, निर्धारित सीटों से अधिक बैठाने की स्थिति, सीटों के बीच मानक दूरी का अभाव, फिटनेस व परमिट संबंधी जानकारी का कहीं उल्लेख नहीं था, जो मोटर व्हीकल एक्ट के नियमों के उल्लंघन की ओर संकेत करता है।

पीड़ित यात्री ने आरोप लगाया है कि उनसे निर्धारित से अधिक किराया लिया गया तथा टिकट न देकर मानसिक प्रताड़ना की गई। उन्होंने परिवहन अधिकारी राजगढ़ एवं संबंधित उच्च अधिकारियों से उक्त वाहन का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति की जांच करने और अवैधानिक गतिविधियों पर कार्रवाई की मांग की है।

श्याम सुंदर शर्मा ने यह भी निवेदन किया है कि 18 फरवरी 2026 की यात्रा का अधिकृत टिकट उनके पते–78 सुंदरम कुंज, देवकी नगर, बैरसिया रोड, भोपाल (पिन 462038)–पर उपलब्ध कराया जाए तथा की गई विभागीय कार्रवाई से उन्हें अवगत कराया जाए।

उन्होंने मीडिया से भी अपील की है कि जनहित में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं को उजागर कर संबंधित मंच तक विषय को पहुंचाया जाए, ताकि यात्रियों की सुरक्षा व अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

जेएच कॉलेज की मेजबानी में चल रहे महिला एवं पुरुष राज्य स्तरीय अंतर विश्वविद्यालयीन पिट्ठू प्रतियोगिता का समापन

जबलपुर ने पहना महिला स्टेट चैंपियन का ताज, पुरुष वर्ग में इंदौर बना विजेता

बैतूल (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज की मेजबानी में चल रही महिला एवं पुरुष राज्य स्तरीय अंतर विश्वविद्यालयीन पिट्ठू प्रतियोगिता का समापन मुख्य अतिथि श्री आदित्य शुक्ला के आतिथ्य तथा विशिष्ट अतिथि श्री अतीत पवार व विकास प्रधान की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्री अदित्या शुक्ला ने दोनों विजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि पिट्ठू जैसे पारंपरिक खेल में खिलाड़ियों का उत्कृष्ट तकनीकी कौशल देखने को मिला। विशिष्ट अतिथि श्री अतीत पवार और विकास प्रधान ने भी सभी विजेता टीमों को बधाई देते हुए सभी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। प्राचार्य डॉ मीनाक्षी चौबे ने सभी खिलाड़ियों के खेल की प्रशंसा करते हुए महिला और पुरुष वर्ग की विजेता टीमों को बधाई दी। समापन समारोह के अंत में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सिवनी के डॉ. के सी राउर ने महिला एवं पुरुष राज्य स्तरीय अंतरविश्वविद्यालयीन पिट्ठू प्रतियोगिता के आयोजन का प्रतिवेदन पढ़ा। समापन समारोह का आभार वक्तव्य क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नीलिमा पीटर द्वारा दिया गया।

सेमी फाइनल और फाइनल मैच

महिला वर्ग के रोमांचक पहले सेमीफाइनल में इंदौर ने छिंदवाड़ा को शिकस्त देते हुए फाइनल में प्रवेश किया, तो दूसरे सेमीफाइनल में जबलपुर ने सागर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इंदौर और जबलपुर के बीच हुए रोमांचक फाइनल मुक़ाबले में जबलपुर ने इंदौर को हरा कर महिला राज्य स्तरीय अंतर विश्वविद्यालयीन पिट्ठू प्रतियोगिता में विजेता का ताज पहना, तो इंदौर की टीम महिला उप विजेता बनी। इसके अलावा पुरुष वर्ग में पहला सेमीफाइनल में इंदौर और भोपाल के बीच हुआ, जिसमे इंदौर ने भोपाल को हरा कर फाइनल की ओर कदम बढ़ाया, वही दूसरे सेमी फाइनल में जबलपुर ने उज्जैन को शिकस्त देते हुए फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच में इंदौर और जबलपुर के बीच अत्यंत रोमांचक मैच देखने को मिला। फाइनल में इंदौर ने जबलपुर के पुरुष वर्ग का भी चैम्पियन बनने के सपनों पर पानी फेरते हुए विजेता का ताज पहना।

घर-घर डेटा संग्रहण के लिए अधिकारियों को किया गया प्रशिक्षित

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में जनगणना 2027 की आवश्यक जानकारी से जिला एवं चार्ज स्तर के अधिकारियों हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को भारत की जनगणना के संबंध में संक्षिप्त परिचय एवं नीति निर्माण सहित जनगणना 2027 के मुख्य बिंदुओं एवं प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। प्रशिक्षणकर्ता अधिकारियों द्वारा सभा कक्ष में उपस्थित जिले के समस्त अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, चार्ज जनगणना अधिकारी (तहसीलदार), (मुख्य नगरपालिका अधिकारी) चार्ज जनगणना अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी को प्रक्रिया में आंकड़ों की सटीकता के महत्व आदि की जानकारी से विस्तार पूर्वक प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना 2027 के दौरान डेटा संग्रह और उसके जांच की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। बताया गया कि आंकड़ा संग्रहण करने के लिए प्रगणक द्वारा घर-घर जाकर स्वयं के मोबाइल फोन में एप के माध्यम से जानकारी एकत्रित करना तथा स्वगणना (एसई) पोर्टल के माध्यम से जानकारी का एकत्रीकरण किए जाने के संबंध में भी अवगत कराया गया। स्वगणना पोर्टल के माध्यम से नागरिक जानकारी अपडेट कर सकेंगे जिसे बाद में प्रगणक द्वारा सत्यापित कर सबमिट किया जाएगा। इसी प्रकार प्रशिक्षण के दौरान जनगणना संभाग प्रभारी श्रीमती अनामिका जैन एवं जिला प्रभारी सुश्री आयुषी द्वारा उपस्थित अधिकारियों को प्रगणक और पर्यवेक्षक के कार्य प्रवाह के संबंध में भी विस्तार पूर्वक समझाया गया। उन्होंने बताया कि पूरी जनगणना प्रक्रिया के दौरान प्रशिक्षण, एचएलबी की पहचान तथा लेआउट मैप, डाटा संग्रहण एवं सत्यापन, डाटा सिंक एवं पर्यवेक्षण तथा समापन और प्रमाणन प्रक्रिया का अनुपालन किया जायेगा।

बैठक के दौरान प्रगणकों के मुख्य कर्तव्य से भी उपस्थित अधिकारियों को अवगत कराया गया जिसमें प्रशिक्षण, मोबाइल एप के उपयोग, मकान सूचीकरण, एचएलबी का लेआउट तैयार करना, एचएलओ एप के माध्यम से डाटा एकत्रित करना सहित पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने जैसे घटकों की जानकारी दी गई। इसी प्रकार पर्यवेक्षकों के मुख्य कर्तव्य से अवगत कराते हुए बताया गया कि सुपरवाइजर ऐप और फील्ड निरीक्षण के माध्यम से प्रगणक के डेटा की निगरानी,फील्ड कार्य के दौरान प्रगणक को इस कार्य से सम्बंधित कोई समस्या आए तो उसका निराकरण जैसी अन्य जानकारी भी प्रदाय की गई।

प्रशिक्षण के दौरान एडीएम श्री राजीव रंजन पांडे, अपर कलेक्टर श्री अनिल जैन, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती नीता कोरी सहित समस्त अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, चार्ज जनगणना अधिकारी (तहसीलदार), (मुख्य नगरपालिका अधिकारी) चार्ज जनगणना अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी उपस्थित रहे।

कस्बा सांचेत ओर आसपास के छेत्र में गेहूं चना की फसल चट कर रहे मवेशी

सतीश मैथिल सांचेत

सांचेत कस्बा सांचेत ओर आसपास के छेत्र में फसल चट कर रहे मवेशी, यातायात भी बाधित मवेशी खेतों में घुसकर गेहूं, चना की फसल को बर्बाद कर किसानों को नुकसान पहुंचा रहे शहर और गांवों के लिए आवारा पशु दोहरी परेशानी का कारण बन रहे। खेतों में उग आई गेहूं व चना की फसल को आवारा मवेशी चट कर रहे हैं। जब किसान उन्हें खेतों से भगा रहे हैं, तो शहर में सड़क पर बैठ जाते हैं। इस वजह से हादसे हो रहे और यातायात भी प्रभावित होता है। ऐसे में किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं जिम्मेदार अधिकारी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। दरअसल कई पशु पालक अपने मवेशियों को खुला छोड़ देते हैं। यही मवेशी खेतों में घुसकर गेहूं, चना की फसल को बर्बाद कर किसानों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसके कारण किसानों व पशु पालकों के बीच गांवों में विवाद की स्थिति बन रही है फसल चट कर रहे मवेशी, यातायात भी बाधित हाइवे पर रहते हैं मवेशी

शहर से निकले सागर-भोपाल स्टेट हाइवे पर जगह-जगह आवारा पशु जमा रहते हैं। सड़क के दोनों तरफ भी पशुओं का डेरा दिखाई देता है। हाइवे पर रात के समय इनकी वजह से किसी भी दिन कोई बड़ा हादसा हो सकता है, जबकि छुटपुट दुर्घटनाएं कई बार हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासनिक अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं

उठाते। इसका खामियाजा लोगों को उठाना पड़ता है। खंडेरा नकतरा रोड पर आवारा पशु नजर आते हैं टैग से लग सकती है जानकारी पशु विभाग ने मवेशियों की गणना कर उनके कान पर टैग लगा दिया है। इससे मवेशियों और उसके पालक की पहचान हो सकती है। ग्राम पंचायत द्वारा अभियान चलाकर आवारा मवेशियों को गोशाला में बंद किया जा सकता है। टैग के आधार पर मवेशी पालक की पहचान कर जुर्माने की कार्रवाई हो सकती है। मगर जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई से परहेज कर रहे हैं।

किसानों ने बताया: किसान भीम सिंह वघेल हल्के भैया खंडेरा बालो ने बताया कि एक ओर तो हजारों रुपए क्विंटल का चना व गेहं का बीज लेकर बोवनी की है। अब खेतों में पशु पहुंचकर फसल नष्ट कर रहे हैं। इसके अलावा जंगली सूअर भी फ सलों को चट कर रहे हैं।

इसी तरह की स्थिति - किसान प्रेम सिंह पटेल सांचेत बालों ने बताई। उन्होंने कहा कि दिन-रात खेत में पशुओं की धमाचौकड़ी लगी रहती है। उन्हें बार-बार खेत से बाहर करके परेशान होना पड़ रहा है। जबकि जिम्मेदार अधिकारी समस्या के निराकरण को लेकर गंभीर नहीं है।आवारा पशु फसलों को चटकर, किसानों की मेहनत कर रहे बर्बाद क्षेत्र में आवारा पशुओं से किसान खासे परेशान हो रहे हैं। हाल ये है कि आवारा पशुओं के झुंड खेतों में घुसकर किसानों की फसलों को आएदिन नष्ट कर रहे हैं। ऐसे में किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए दिन-रात फसलों की रखवाली करने को मजबूर हैं। बावजूद इसके इन आवारा पशुओं की धमाचौकड़ी खेतों में लगी रहती है।

किसान राजेश वघेल संतोष वघेल सुनील वघेल डावर बालों का कहना हैं कि रात को खेतों में अवारा पशुओं के झुंड आ जाते हैं। फसलों को चरकर व पैरों से रौंदकर चले जाते हैं। सुरक्षा के लिए खेत के चारों ओर तारों की बाड़ लगा रखी है, मगर पशु बाड़ को लांघकर खेतों में घुस रहे हैं। जब तक खेत में लोग पहुंचते हैं, तब तक पशुओं के झुंड फसलों को नष्ट कर देते हैं। अगर इन आवारा पशुओं की समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया तो किसान फसल नहीं बचा पाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में आवारा पशुओं का जमघट किसानों के लिए चुनौती बन रहे हैं।

चेक करें पेट्रोल-डीजल के रेट

ईरान पर हमले की आहट, 70 डॉलर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका द्वारा ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई की खबरों के बाद तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। पिछले सत्र में 4.6 प्रतिशत की बढ़त के बाद वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 65 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कारोबार कर रहा है। वहीं, ब्रेंट कच्चा तेल दो सप्ताह से अधिक समय में पहली बार 70 डॉलर के स्तर को पार कर गया। हालांकि, राहत की बात यह है कि भारत में पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इंडियन ऑयल के पंपों पर पेट्रोल की आज रिटेल कीमत 94.77 प्रति लीटर है। इसी तरह, डीजल का खुदरा मूल्य 87.67 प्रति लीटर है। तेल कंपनियों द्वारा तय बेस प्राइस और एक्साइज ड्यूटी के साथ 74.97 है। डीलर कमीशन 4.40 जुड़ता है। सबसे ऊपर, दिल्ली सरकार का वेट 15.40 लगाया जाता है, जिसके योग से यह कीमत 94.77 बनती है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक इसी तरह, डीजल का खुदरा मूल्य 87.67 प्रति लीटर है, जो 71.81 के बेस प्राइस प्लस एक्साइज ड्यूटी और 3.03 के डीलर कमीशन और 12.83 के वेट को जोड़ने के बाद बनता है। ब्लूमबर्ग ने एक न्यूज वेबसाइट एक्सियोस की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि अमेरिकी सैन्य अभियान की संभावना पहले की अपेक्षा कहीं अधिक नजदीक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अभियान कई हफ्तों तक चल सकता है और इजरायल सरकार ईरान में शासन परिवर्तन के लक्ष्य वाली स्थिति पर जोर दे रही है।

बीएल कश्यप एंड संस को ग्रेटर नोएडा में मिला 300 करोड़ का ऑर्डर

B L KASHYAP
WE BUILD YOUR WORLD

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएल कश्यप एंड संस लिमिटेड के शेयरों में गुरुवार, 19 फरवरी को 9 प्रतिशत तक की उछाल देखी गई। कंपनी ने यह जानकारी दी कि उसे सीआरसी ग्रीन्स से 300 करोड़ रुपये का एक नया ऑर्डर मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि इस परियोजना को पूरा होने में लगभग 42 महीने का समय लगने की उम्मीद है। यह ऑर्डर ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थित एक ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए सिविल और स्ट्रक्चरल कार्यों के निर्माण और निगरानी से संबंधित है। इस विकास से कंपनी के ऑर्डर बुक में इजाफा होगा और आवासीय निर्माण क्षेत्र में उसकी उपस्थिति मजबूत होगी। कंपनी के शेयर सुबह 52.90 रुपये पर खुले और 54.59 रुपये के डे हाई को टच किए। सुबह 10 बजे के करीब 4.59 परसेंट ऊपर 52.39 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। पिछले 5 दिन में यह स्टॉक 3 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। जबकि, पिछले एक महीने में 8 फीसद से अधिक की उछाल दर्ज किया है। अगर पिछले छह महीने के इसके प्रदर्शन की बात करें तो यह 26 पर्सेंट से अधिक टूटा है। दूसरी ओर, इस साल अब तक इसमें 1 पर्सेंट की कमी आई है। पिछले 5 साल में यह स्टॉक 300 पर्सेंट का शानदार रिटर्न दिया है। बीएल कश्यप एंड संस लिमिटेड का मार्केट कैप 1179 करोड़ रुपये है। इसका 52 हफ्ते का हाई 80.10 रुपये और लो 42.70 रुपये है। बीएल कश्यप एंड संस ने पिछले फिस्कल ईयर की इसी तिमाही के मुकाबले क्यू3 एफवाय26 में 965.8 प्रतिशत की शानदार कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट बढ़ोतरी दर्ज की, जो 11.83 करोड़ तक पहुंच गई। यह शानदार ग्रोथ ऑपरेशन से रेवेन्यू में 33.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ हुई, जो क्यू3 एफवाय25 के मुकाबले क्यू3 एफवाय26 में बढ़कर 323.87 करोड़ हो गई। भारत का कंस्ट्रक्शन एंड रियल एस्टेट सेक्टर फिलहाल एक जटिल दौर से गुजर रहा है। साल 2026 के लिए अनुमान है कि कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्रीज 7 से 8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जिसकी मुख्य वजह सरकार की इंफ्रा स्ट्रक्चर इनिशिएटिव और खासकर महानगरों में लगातार बनी हुई आवासीय मांग है। हालांकि, इस क्षेत्र के सामने कुछ पुरानी चुनौतियां भी हैं, जैसे निर्माण सामग्री की बढ़ती कीमतें और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव, जो मुनाफे पर दबाव बना सकते हैं। बीएल कश्यप का क्ष्य अनुपात (मूल्य-आय अनुपात) लगभग 283 है, जो मझोली कंपनियों (मिड-कैप) के लिए सामान्य मूल्यांकन सीमा में आता है। यह पीएनसी इन्फ्राटेक जैसी समान कंपनियों के बराबर है, लेकिन लार्सन एंड टुब्रो (लगभग 223) या हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (लगभग 183) जैसी बड़ी कंपनियों से ऊंचे भाव पर कारोबार कर रहा है। इस मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि बाजार को कंपनी को लगातार ऑर्डर मिलते रहने की उम्मीद है।

एक अप्रैल से बड़ा बदलाव

क्रेडिट कार्ड से हुए लेनदेन की जानकारी पेन में दिखेगी

बड़े क्रेडिट कार्ड बिल की जानकारी देनी होगी, पैन आवेदन में काम आएगा क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एक अप्रैल 2026 से क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बड़े बदलाव लागू हो सकते हैं। इसके तहत कार्ड के जरिए हुए सभी बड़े लेनदेन और भुगतान की जानकारी देना अनिवार्य हो सकता है। इसका मतलब यह है कि कोई व्यक्ति लेनदेन के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करता है, तो उसके पैन रिकॉर्ड में उसकी जानकारी दर्ज हो जाएगी।

ये सभी बदलाव नए आयकर नियम-2026 के तहत होंगे, जिसका मसौदा हाल ही में सरकार ने जारी किया है। इन नियमों पर अलग-अलग पक्षों से सुझाव लिए जाएंगे और अंतिम मंजूरी के बाद उन्हें किया जा सकता है। इसके बाद पुराने आयकर नियम-1962 की जगह नए नियम लागू होंगे। मसौदा नियमों के मुताबिक, बड़ी रकम वाले क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान की जानकारी आयकर विभाग को दी जाएगी। अगर कोई व्यक्ति एक वित्त वर्ष में 10 लाख से ज्यादा का क्रेडिट कार्ड बिल नकद के अलावा किसी भी तरीके से (जैसे यूपीआई, बैंक ट्रांसफर, चेक आदि) चुकाता है, तो बैंक या क्रेडिट कार्ड कंपनी को इसकी जानकारी आयकर विभाग को देनी होगी। इसके अलावा, अगर 1 लाख या उससे ज्यादा का क्रेडिट कार्ड बिल कैश में चुकाया जाता है, तो उसकी जानकारी भी रिपोर्ट होगी। हालांकि यह पूरी तरह नया नियम नहीं है, क्योंकि ऐसा प्रावधान पहले से इनकम टैक्स रूल्स 1962 में मौजूद है। नियमों के अनुसार, पिछले तीन महीनों के क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को पैन कार्ड बनवाते समय पते के सबूत के रूप में मान्य होगा। यह बदलाव उन लोगों के लिए काफी मददगार होगा जिनके पास तुरंत कोई और दस्तावेज उपलब्ध नहीं होता। इससे पैन आवेदन प्रक्रिया आसान और सुविधाजनक बन जाएगी।

अब टैक्स का भुगतान ऑनलाइन करते समय क्रेडिट कार्ड का उपयोग भी किया जा सकेगा। पहले केवल डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग जैसे माध्यम मान्य थे। अब क्रेडिट कार्ड को भी अधिकृत इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट मोड में शामिल कर लिया गया है। इससे करदाताओं को भुगतान के समय एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा और वे अपनी सुविधा के हिसाब से भुगतान कर सकेंगे। हालांकि, इसका इस्तेमाल करते समय यह जानना जरूरी होगा कि प्रोसेसिंग फीस या अतिरिक्त चार्जेज किस तरह लागू होंगे, ताकि किसी अतिरिक्त खर्च का अंदाजा पहले से रहे।

अगर किसी कर्मचारी को कंपनी की तरफ से क्रेडिट कार्ड दिया गया है और उस पर किए गए खर्च (जैसे मेंबरशिप फीस या सालाना शुल्क) का भुगतान या रीइम्बर्समेंट कंपनी ही करती है, तो उस पर कर लगेगा। हालांकि टैक्स की गणना करते समय उस लाभ की कुल कीमत में से वह रकम घटा दी जाएगी, जो कर्मचारी ने खुद पहले ही चुका दी हो। अगर खर्च पूरी तरह आधिकारिक काम के लिए किया गया है, तो उस पर टैक्स नहीं लगेगा। लेकिन इसके लिए कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी। कंपनी को उस खर्च का पूरा रिकॉर्ड रखना होगा।

एआई भले ही काम में बहुत तेज हो

इंसानी दिमाग से बेहतर कोई नहीं: नारायण मूर्ति

मुंबई, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भले ही काम में बहुत तेज हो, लेकिन इंसानी दिमाग से बेहतर कोई नहीं। ये बातें डीयू में आयोजित 'लीडर्स टॉक' में इंफोसिस के संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति ने कही। युवा पीढ़ी को सीख देते हुए इंफोसिस के संस्थापक ने कहा कि वे थिंक विद एआई, बिल्ड विद एआई, एआई को सहयोगी बनाएं। प्रसिद्ध वैज्ञानिक, गणितज्ञ और कंप्यूटर प्रोग्रामर स्टीफेन वुलफ्राम का हवाला देते हुए नारायण मूर्ति ने कहा कि एआई एक सहयोगी टूल हो सकता है।

यह उच्च स्तरीय काम कर सकता है। जैसे रिमोट सर्जरी, सही नाप-तौल के साथ उत्पाद तैयार करना, कोड जेनरेट करना और सॉफ्टवेयर बनाना। मगर इसके लिए एआई को बार-बार प्रशिक्षित करना पड़ेगा। इस कारण मानव मस्तिष्क हमेशा बॉस की भूमिका में रहेगा। वह इसे बेहतर करने के लिए नए प्रयोग करता रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि एआई के आने से मनुष्य की रचनात्मकता रुक जाएगी।

नारायण मूर्ति ने कहा कि व्यापार में कमाई और मुनाफा दूसरे नंबर पर आते हैं। असली पहचान और भरोसा लोगों के साथ आपसी सम्मान से बनता है। उनका लक्ष्य सबसे बड़ा उद्यमी बनना नहीं, बल्कि सम्मान कमाना रहा है। ड्रोन आधारित डिलीवरी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी स्काई एयर मोबिलिटी ने बुधवार को एआई

समिट में एंड-टू-एंड ऑटोनॉमस कॉमर्स डिलीवरी सिस्टम का प्रदर्शन किया। कंपनी ने बताया कि यह पूरी तरह से स्वचालित व्यवस्था है, जो बिना किसी मानवीय मदद के ड्रोन के माध्यम से ग्राहकों के घर तक सामान पहुंचाती है।

इस पहल के तहत स्काई एयर मोबिलिटी ने अराइव एआई और ओटोनॉमी के साथ साझेदारी की है। कंपनी के अनुसार, पिछले दो वर्षों में 36 लाख से अधिक सामान की डिलीवरी की जा चुकी है।

गोल्ड-सिल्वर फ्यूचर पर मार्जिन हटाकर एमसीएक्स ने ट्रेडर्स को दिया तोहफा

एनएसई क्लियरिंग ने भी जारी किया सर्कुलर

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया के शेयर की कीमत में गुरुवार को कारोबार के दौरान 3.32 प्रतिशत तक का उछाल देखने को मिला। कंपनी ने बुधवार शाम को एक सर्कुलर जारी कर गोल्ड और सिल्वर फ्यूचर पर लगाए गए अतिरिक्त मार्जिन को हटाने की घोषणा की थी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया के शेयर की कीमत में गुरुवार को कारोबार के दौरान 3.32 प्रतिशत तक का उछाल देखने को मिला। कंपनी ने बुधवार शाम को एक सर्कुलर जारी कर गोल्ड और सिल्वर फ्यूचर पर लगाए गए अतिरिक्त मार्जिन को हटाने की घोषणा की थी। इस खबर के बाद एमसीएक्स के शेयर आज एनएसई पर 2,400 रुपये पर खुले। बुधवार के शेयर 2,341 रुपये पर बंद हुए थे।

एमसीएक्स ने बुधवार शाम जारी सर्कुलर में कहा कि वह गोल्ड फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट पर लगा 3 प्रतिशत का अतिरिक्त मार्जिन और सिल्वर फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट पर लगा 7 प्रतिशत का अतिरिक्त मार्जिन वापस ले रहा है। मार्जिन हटाने का यह फैसला गुरुवार, 19 फरवरी से प्रभावी हो गया है। सर्कुलर के अनुसार, गोल्ड फ्यूचर के सभी वेरिएंट और सिल्वर फ्यूचर के सभी वेरिएंट से ये अतिरिक्त मार्जिन हटा लिए गए हैं। वहीं दूसरी ओर, एनएसई

क्लियरिंग ने भी एक सर्कुलर जारी कर गोल्ड और सिल्वर फ्यूचर पर मार्जिन वापस लिए जाने की पुष्टि की है, जो आज से प्रभावी हो गया है। एनएसई ने अपने सदस्यों को सलाह दी है कि वे अपनी पोजीशन को उसी के अनुसार एडजस्ट करें। इस फैसले से गोल्ड और सिल्वर कॉन्ट्रैक्ट में कारोबार करने वाले ट्रेडर्स के लिए मार्जिन की आवश्यकता कम हो जाएगी। अतिरिक्त मार्जिन हटने का मतलब है कि ट्रेडर्स को अब ट्रेड करने के लिए कम पूंजी की जरूरत होगी। आमतौर पर, मार्जिन की आवश्यकता कम होने से बाजार में सट्टेबाजी (सट्टा) बढ़ती है और इंट्राडे ट्रेडिंग गतिविधि में तेजी आती है। बता दें कि ये अतिरिक्त मार्जिन सोने-चांदी की कीमतों में आई तेज उतार-चढ़ाव (अस्थिरता) पर लगाम लगाने के लिए लगाए गए थे। यह मल्टीबैगर स्टॉक बाजार की उतार-चढ़ाव भरी स्थितियों के बावजूद ज्यादातर हरे निशान में बना हुआ है। पिछले पांच सत्रों में स्टॉक ने 2 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। एमसीएक्स के शेयरों ने पिछले छह महीनों में निवेशकों को 45 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है और पिछले एक साल में 113 प्रतिशत रिटर्न के साथ निवेशकों के पैसे दोगुने कर दिए हैं।

एमसीएक्स के तीसरी तिमाही के नतीजे

कंपनी ने दिसंबर 2026 को समाप्त तिमाही के लिए अपने नतीजे भी जारी किए हैं। एमसीएक्स का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 151 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी के साथ 401 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 160 करोड़ रुपये था। वहीं, क्यू3 एफवाय26 में रेवेन्यू ऑपरेशन 121 प्रतिशत उछलकर 666 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 301 करोड़ रुपये था। मुकाबले भी कंपनी का नेट प्रॉफिट 103 प्रतिशत और राजस्व 78 प्रतिशत बढ़ा है। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का ईबीआईटीडीए भी 144 प्रतिशत बढ़कर 527 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के बुलियन सेगमेंट का एवरेज डेली टर्नओवर में योगदान तिमाही दर तिमाही बढ़कर 69 प्रतिशत हो गया, जिसका श्रेय गोल्ड मिनी और गोल्ड टेन फ्यूचर जैसे नए वेरिएंट को दिया जा रहा है।

टीवीएस मोटर, कोचीन शिपयार्ड समेत 10 शेयरों में हलचल की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सेबी-रजिस्टर्ड रिसर्च एनालिस्ट और लिवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद का मानना है कि भारतीय इक्विटी बाजार आज सपाट से लेकर थोड़ा सकारात्मक रुख के साथ खुल सकता है। यह रुझान निफ्टी के संकेतों से समर्थित है, जो अमेरिकी शेयरों में कल हुई तेजी खासकर टेक्नोलॉजी शेयरों में आई मजबूती और एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों को दर्शाता है।

निफ्टी 50 और सेंसेक्स के निकट भविष्य के परिदृश्य पर बात करते हुए, कोटक सिक्योरिटीज में हेड इक्विटी रिसर्च, श्रीकांत चौहान ने कहा, हमारा मानना है कि अल्पकालिक सपोर्ट 25500/83000 से बढ़कर 25600/83300 हो गया है। जब तक बाजार इस स्तर से ऊपर बना रहता है, तब तक तेजी जारी रहने की संभावना है। ऊपर की ओर, 25950-26000/84700-85000 का स्तर तुरंत रेजिस्टेंस जोन के रूप में काम कर सकता है। दूसरी ओर, 25600/83300 के नीचे आने पर रुझान बदल सकता है; इस स्तर से नीचे आने पर कारोबारी अपने ट्रेडिंग लॉन्ग पोजीशन से बाहर निकलना पसंद कर सकते हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को सूचित किया कि उसकी प्रमुख सहायक कंपनी, लाइनएज पावर प्राइवेट लिमिटेड, को सऊदी अरब स्थित याकिन केम से 1.35 मिलियन डॉलर का ऑर्डर मिला है। भारत फोर्ज ने ऐलान किया है कि उसने वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत ऑटोमोटिव और रक्षा सहित कई प्रौद्योगिकी-केंद्रित क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी की संभावना तलाशी जाएगी।

डॉ. रेड्डीज: फार्मा कंपनी डॉ. रेड्डीज ने घोषणा की कि उसने मर्क्यूरी फार्मा ग्रुप लिमिटेड से भारत में प्रोगाइनोवा और साइक्लोप्रोगाइनोवा ट्रेडमार्क और संबंधित संपत्तियों का अधिग्रहण कर लिया है।

एनसीसी: राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने एनसीसी पर नए ऑर्डर लेने पर रोक लगा दी है।

जिंदल सॉ: अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए ऑडिट के दौरान कुछ मुद्दे पाए जाने के बाद कंपनी का सीमलेस पाइप के लिए एपीआई लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है।

गो डिजिट: गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस ने कहा कि उसने अपने पॉलिसीधारकों को रियायती दरों पर सीनियर केयर सेवाएं देने के लिए अन्वया किन केयर के साथ साझेदारी की है। बीमा कंपनियां पारंपरिक कवरेज से आगे बढ़कर ग्राहक जुड़ाव बढ़ाने पर जोर दे रही हैं। हिंदुस्तान यूनिलीवर अगले दो वर्षों में 2,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करने की योजना बना रहा है। यह निवेश अपने ब्यूटी एंड वेलबीइंग और होम केयर लिक्विड्स पोर्टफोलियो के तहत तेजी से बढ़ रही प्रीमियम श्रेणियों में विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाएगा।

टीवीएस मोटर: कंपनी ने बताया कि उसने इंडोनेशिया में वर्ष 2006 में परिचालन शुरू करने के बाद से अब तक कुल मिलाकर 10 लाख वाहनों का निर्माण कर लिया है।

कोचीन शिपयार्ड: कोचीन शिपयार्ड को फ्रांस की सीएमए सीजीएम समूह से छह एलएनजी-चालित जहाजों के निर्माण और डिलीवरी के लिए लगभग 360 मिलियन डॉलर का नया जहाज निर्माण अनुबंध मिला है।

जायडस लाइफसाइंसेज: फार्मा कंपनी जायडस को अपनी बोसेंटन टैबलेट्स फॉर ओरल सस्पेंशन, 32 मिलीग्राम के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन से अंतिम मंजूरी मिल गई है।

टाटा स्टील के शेयर ने बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील के शेयर में तेजी का सिलसिला जारी है। शेयर मार्केट में आज कमजोरी के बीच कंपनी के शेयर 1 फीसदी की बढ़त के साथ 211.35 रुपये के नए हाई पर पहुंच गया। यह उछाल घरेलू कारोबार को लेकर मजबूत संभावनाओं के चलते आया है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी का शेयर 10 फरवरी, 2026 को बने अपने पिछले रिकॉर्ड 211.15 रुपये को पार कर गया। पिछले एक महीने में टाटा स्टील ने 12 फीसदी की जबरदस्त बढ़त हासिल की है, जबकि इस दौरान बीएसई सेंसेक्स में 0.5 फीसदी और मेटल इंडेक्स में 3.6 फीसदी की मामूली बढ़त हुई है।

क्यों हो रही है टाटा स्टील के शेयर में तेजी टाटा स्टील ने दिसंबर तिमाही (वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही) में मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी की कुल परिचालन आय सालाना आधार पर 6 फीसदी बढ़कर 57,002 करोड़ रुपये रही। स्टील बिक्री की मात्रा भी 6 फीसदी बढ़कर लगभग 8.2 मिलियन टन रही। हालांकि, कंपनी का ईबीआईटीडीए मार्जिन पिछली तिमाही के मुकाबले 77 आधार अंक गिरकर 14.4 फीसदी रहा, लेकिन आगे की संभावनाएं उज्ज्वल हैं।

कंपनी को उम्मीद है कि चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) में उसका प्रदर्शन बेहतर होगा। इसका मुख्य कारण सेफगार्ड ड्यूटी के कारण कीमतों में 12 फीसदी का सुधार है, जिससे भारत में उसकी बिक्री से होने वाली आमदनी में प्रति टन लगभग 2,300 रुपये का इजाफा होने की संभावना है। इसके अलावा,

बेहतर परिचालन लाभ, लागत में लगातार बचत, कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म का क्रियान्वयन और यूरोप में आयात कोटा प्रतिबंध जैसे कदमों से भी मुनाफे में सुधार होने की उम्मीद है।

करीब एक सदी पुरानी यह कंपनी सरकार की 2030 तक राष्ट्रीय कच्चा स्टील क्षमता 300 मिलियन टन पहुंचाने की योजना के तहत बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता लगभग 40 मिलियन टन प्रति वर्ष करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज का मानना है कि टाटा स्टील के शेयर में और तेजी आ सकती है। ब्रोकरेज फर्म ने घरेलू मांग के मजबूत आउटलुक, सेफगार्ड ड्यूटी से कीमतों को मिल रहे सपोर्ट, क्षमता विस्तार और यूरोपीय संघ (ईयू) कारोबार में धीरे-धीरे सुधार के चलते कंपनी पर सकारात्मक रुख अपनाया है। एमओएफएसएल ने सितंबर 2027 के अपने अनुमान के लिए 240 रुपये प्रति शेयर का टार्गेट रखते हुए बाय की सिफारिश की है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि यूरोप में हालांकि निकट भविष्य में मुनाफा स्प्रेड रिकवरी और ऊर्जा लागत पर निर्भर करेगा, लेकिन सीबीएएम और सख्त आयात कोटा जैसे संरचनात्मक उपायों से कीमतों में अनुशासन आएगा और आयात से मार्जिन पर पड़ने वाला दबाव कम होगा। भारत में मजबूत प्रदर्शन और यूरोप में सुधार से कंपनी की कुल कमाई को बल मिलेगा।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्लेषकों का भी कहना है कि सेफगार्ड ड्यूटी से कीमतों में बढ़ोतरी, अनुकूल मांग और रणनीतिक क्षमता विस्तार के कारण टाटा स्टील का भारतीय परिचालन लंबी अवधि में मजबूत वृद्धि के लिए तैयार है।

टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयर में तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर गुरुवार को बीएसई में 11 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 719 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 5 साल में टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 578 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। टाटा ग्रुप की यह दिग्गज कंपनी अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन का मार्केट कैप गुरुवार को 36000 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) कर चुकी है। कंपनी ने अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी ने अक्टूबर 2025 में 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा है। दिसंबर 2025 तिमाही के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक, कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 73.38 पर्सेंट है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 26.62 पर्सेंट है। शेयर पिछले 5 साल में 578 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयर 19 फरवरी 2021 को 105.59 रुपये पर थे। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर 19 फरवरी 2026 को 719 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 4 साल में कंपनी के शेयरों में 407 पर्सेंट की तूफानी तेजी देखने को मिली है।

सुपर 8 से पहले टीम इंडिया की चिंता

स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार की जरूरत

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोइशे ने इस बात पर सहमति जताई कि बाएं हाथ के बल्लेबाजों वाले शीर्ष क्रम के लिए विपक्षी टीमों का सही रणनीति बनाना और फिंगर (उंगलियों के) स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजों का संघर्ष टी20 विश्व कप के सुपर आठ में भारत के सामने दो अहम मुद्दे होंगे। डोइशे ने नीदरलैंड के खिलाफ अंतिम लीग मैच में भारत की जीत के बाद पत्रकारों से कहा कि खिताब के प्रबल दावेदार ने अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं खेला है जिसमें उसका पूरी तरह से दबदबा रहा हो।

भारत के शीर्ष तीन बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और तिलक वर्मा शामिल हैं। यह तीनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और डोइशे ने स्वीकार किया कि इससे विपक्षी टीमों के लिए उनके खिलाफ रणनीति बनाना आसान हो गया है। प्रतिद्वंद्वी टीमें अभिषेक शर्मा सहित शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए पावरप्ले में ऑफ स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। अभिषेक इस टूर्नामेंट में तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए हैं जबकि कुछ समय पहले तक वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे।

नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त ने बुधवार को पावरप्ले में तीन ओवर फेंके और अभिषेक और किशन को आउट किया। डोइशे का मानना है कि भारत को उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार की जरूरत है। मेजबान टीम को दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा।

उन्होंने कहा, इससे टीमों को भारत के खिलाफ रणनीति बनाने में आसानी हुई है। हमारे पास शीर्ष तीन में ज्यादा विकल्प नहीं हैं। हमारे पास संजू सैमसन बेंच पर बैठे हैं और आगामी मैचों को देखते हुए, अगर हम उंगलियों के स्पिनरों को देखें तो इस मामले में हमारा सामना न्यूजीलैंड से होगा। डोइशे ने कहा, हमारे पास कुछ ऐसे गेंदबाज हैं जो उंगलियों से स्पिन गेंदबाजी करते हैं। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के पास भी अगर हम मार्करम को शामिल करें, तो इस तरह के गेंदबाज हैं। लेकिन कुल मिलाकर हमें लगता है कि ये हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और हम टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों से काम चला लेंगे।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का सामना ऑस्ट्रेलियाई क्लबों से होगा

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय महिला नेशनल फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की अपनी तैयारियों के तहत 19 और 23 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई क्लब टीमों पर्थ रेडस्टार एफसी और पर्थ अजुरी के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलेगी।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की रिलीज के मुताबिक, ब्लू टाइग्रेसेस 11 फरवरी को तुर्किये में अपना ट्रेनिंग कैंप खत्म करने के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं, जहां उन्होंने यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया की क्लब टीमों के खिलाफ छह फ्रेंडली मैच खेले।

भारत ने तुर्किये में अपने एक्सपोजर टूर के दौरान तीन जीत, एक ड्रॉ और दो हार दर्ज की। पर्थ रेडस्टार एफसी के खिलाफ पहला मैच डालमेटिनैक पार्क में भारतीय समयानुसार 14:30 पर खेला जाएगा जबकि पर्थ अजुरी के खिलाफ दूसरा मैच मैसेडोनिया पार्क में 16:00 पर खेला जाएगा। दोनों मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

000

होप के कमाल से वेस्टइंडीज की इटली पर आसान जीत

कोलकाता (एजेंसी)। कप्तान शाई होप के आकर्षक अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के चार विकेट और चार कैच की मदद से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां इटली को 42 रन से हराकर टी20 विश्व कप के ग्रुप सी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए लेकिन उसने होप (46 गेंद पर 75 रन) के अर्धशतक की बदौलत छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। इसके जवाब में इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया।

वेस्टइंडीज की तरफ से जोसेफ ने 30 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने चार कैच भी लपके और इस तरह से वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक मैच में चार विकेट और चार कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वेस्टइंडीज ने इस तरह से अपना अजेय अभियान जारी रखा और ग्रुप सी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में जगह बनाई जहां उसका सामना भारत, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे से होगा। इटली ने चार मैच में एक जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। ग्रुप सी से सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम इंग्लैंड है। होप की पारी में छह चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा रोस्टन चेज (25 गेंद पर 24), शेरफेन रदरफोर्ड (15 गेंद पर नाबाद 24) और मैथ्यू फोर्डे (आठ गेंद पर नाबाद 16) ही कुछ उपयोगी योगदान दे पाए।

पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल थी लेकिन इटली के स्पिनरों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। इटली की तरफ से बेन मनेंटी (37 रन देकर दो) और क्रिशान कालुगामगे (25 रन देकर दो) ने दो दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज को अंतिम ओवरों में अपेक्षित तेजी से रन नहीं बनाने दिए। अगर ग्रांट स्टीवर्ट ने 19वें ओवर में 19 रन नहीं लुटाए होते तो वेस्टइंडीज की स्थिति और भी खराब हो सकती थी।

इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पावर प्ले में तीन विकेट पर 37 रन बनाए। एंथनी मोस्का (19) ने अकील हुसैन की गेंद पर चौका लगाकर अपना खाता खोला लेकिन मैथ्यू फोर्डे (19 रन देकर तीन विकेट) ने अपने पहले ओवर में ही जस्टिन मोस्का (02) को आउट कर दिया। एंथनी मोस्का ने हुसैन पर दो छक्के लगाए लेकिन इस स्पिनर ने इसी ओवर में उन्हें पवेलियन भेज दिया। फोर्डे ने इसके बाद सैयद नकवी (06) को आउट करके इटली को संकट में डाल दिया। जेजे स्मट्स (27 गेंद पर 24) ने क्रीज पर बने रहने को प्राथमिकता दी लेकिन कप्तान हैरी मनेंटी (08) के आउट होने से उन पर दबाव बन गया।

स्मट्स ने जोसेफ पर लगातार दो चौके लगाने के बाद गुडाकेश मोती (24 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर स्वीप करके मैकर्वाई स्क्वायर लेग पर आसान कैच दिया। इससे इटली का स्कोर पांच विकेट पर 78 रन हो गया। बेन मनेंटी ने जोसेफ पर दो चौके लगाकर इटली का स्कोर तिहरे अंक में पहुंचाया लेकिन इस तेज गेंदबाज ने इसी ओवर में ग्रांट स्टीवर्ट (12) को आउट करके साझेदारी नहीं बनने दी। बेन मनेंटी ने मोती पर छक्का लगाया लेकिन अगली गेंद पर उनके आउट हो जाने से इटली की संभावना समाप्त हो गई। इससे पहले होप ने सहजता से बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन रोस्टन चेज की धीमी पारी ने उनकी लय को बिगाड़ दिया। इसका वेस्टइंडीज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। होप ने भले ही कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन चेज स्ट्राइक रोटेट करने के लिए संघर्ष करते हुए दिखे और डीप स्क्वायर लेग में कैच देकर पवेलियन लौटे। इसके बाद रोवमैन पॉवेल (09) भी जल्दी आउट हो गए। इस तरह से अनुभवी ऑफ स्पिनर मनेंटी और श्रीलंका मूल के लेग स्पिनर कालुगामगे ने इटली के पक्ष में पासा पलट दिया। मनेंटी ने लगातार ओवरों में विकेट लिए जिसमें पॉवेल का अहम विकेट भी शामिल था।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनीं

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इतिहास रच दिया है क्योंकि वह अब महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। भारत की इस अनुभवी क्रिकेटर ने गुरुवार को यह उपलब्धि हासिल की, जब वह ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के दूसरे टी-20 के लिए टीम की कप्तानी करने उतरीं।

हरमनप्रीत ने 19 फरवरी को अपने 356वें ??इंटरनेशनल मैच में पर उतरकर न्यूजीलैंड की दिग्गज सूजी बेट्स को पीछे छोड़कर महिला इंटरनेशनल खेल के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गईं। हरमनप्रीत और सूजी बेट्स के बाद एलिस पेरी (349 मैच, ऑस्ट्रेलिया) सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटरों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। भारत की पूर्व क्रिकेटर मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं जबकि शार्लेट एडवर्ड्स ने इंग्लैंड के लिए 309 मैच खेले हैं। सोफी डिवाइन (305, न्यूजीलैंड), हीथर नाइट (303, इंग्लैंड), और डैनी वायट-हॉज (302, इंग्लैंड) भी महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं।

मैच में बने ढेर सारे रिकॉर्ड्स, अभिषेक-हार्दिक सुर्खियों में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में नीदरलैंड को 17 रन से हराकर सुपर एट्स में बिना हारे रिकॉर्ड के साथ जा रहा है। अपने आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने अहमदाबाद में पहले बल्लेबाजी करने के बाद नीदरलैंड्स के खिलाफ खराब शुरुआत से उबरते हुए 193/6 का स्कोर बनाया। नीदरलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। लेकिन 16 ओवर के बाद 125/6 पर सिमटने के बाद वे मुश्किल में पड़ गए थे, इससे पहले जैक लायन-कैशेट और नोआ क्रोस ने बड़े हिट्स की झड़ी लगाकर अंतर कम किया।

क्रोस ने चार गेंदों पर तीन बाउंड्री लगाई, वाशिंगटन सुंदर के ओवर की आखिरी दो गेंदों पर दो और अर्शदीप सिंह की गेंद पर एक। इससे पहले लायन-कैशेट ने भी एक बाउंड्री और एक छक्का लगाकर अपनी जगह पक्की कर ली। हार्दिक पांड्या की गेंद पर क्रोस के दो और बाउंड्री ने आखिरी ओवर में स्कोर 28 कर दिया। लेकिन शिवम दुबे ने आखिरी ओवर में हिम्मत नहीं हारी, ज्यादा रन नहीं दिए और लायन-कैशेट को आउट करके 17 रन से जीत पक्की कर ली जिससे भारत ग्रुप स्टेज में बिना हारे रहा।

भारत की जीत में यह रिकॉर्ड्स बने

भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। यह पांचवां मौका था जब भारत ने टी20 विश्व कप मैच की एक पारी में सात या उससे ज्यादा गेंदबाजों का इस्तेमाल किया।

आज तक भारत ने विश्व कप के मौजूदा एडिशन में 12 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया है जो टी20 विश्व कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा है। भारत ने 2009 में 11 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया था।

हार्दिक ने टी20 फॉर्मेट में 6000+ से ज्यादा रन और 200+ विकेट का डबल धमाका

13 ~ हार्दिक पांड्या टी20 फॉर्मेट में 6000+ से ज्यादा रन और 200+ विकेट का डबल पूरा करने वाले 13वें ऑलराउंडर और भारत के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

टी20 में तीन बार डक पर आउट होने वाले तीसरे ओपनर बने अभिषेक

ओपनर अभिषेक शर्मा, जो मौजूदा टी20 विश्व कप में एक भी रन नहीं बना पाए, अब टी20 वर्ल्ड कप में तीन बार डक पर आउट होने वाले तीसरे ओपनर बन गए हैं। इससे पहले 2009 में वेस्टइंडीज के एंड्रयू फ्लेचर और 2024 में बांग्लादेश के तंजीद हसन के नाम यह अजीब रिकॉर्ड था।

टी20 विश्व कप में 12वीं जीत दर्ज की

भारत ने टी20 विश्व कप में लगातार 12वीं जीत दर्ज की, जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने अपना जीत का अभियान 5 जून 2024 से शुरू किया था और यह आज भी जारी है।

शिवम दुबे ने 65 रन को पीछे छोड़ा

यह शिवम दुबे का टी-20 में सबसे ज्यादा स्कोर है जिसने 28 जनवरी 2026 को विजाग में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके पिछले सबसे अच्छे 65 रन को पीछे छोड़ दिया। कुल मिलाकर यह उनके 59वें मैच में उनका छठा 50 से ज्यादा का स्कोर था।

नीदरलैंड का बिना किसी एक फिफ्टी के सबसे बड़ा स्कोर

176/7 ~ यह नीदरलैंड का बिना किसी एक फिफ्टी के सबसे बड़ा टीम टोटल है, जो 2018 में लॉडर्हिल में नेपाल के खिलाफ बनाए गए 174/4 के स्कोर से ज्यादा है।

भारत का परचम, 43 मेडल के साथ पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में बना नंबर 1

दुबई (एजेंसी)। भारत ने दुबई 2026 ग्रां प्री - 17वीं फज्जा इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 43 पदकों के साथ पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। भारत ने कुल 16 स्वर्ण, 13 रजत और 14 कांस्य पदक अपने नाम किए।

कोलंबिया और केन्या ने 20-20 पदक जीते, जिनमें क्रमशः 11 और 6 स्वर्ण पदक शामिल रहे। मेजबान यूएई 31 पदकों (6 स्वर्ण) के साथ चौथे स्थान पर रहा। यह सीजन का पहला वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री था।

भारत के लिए यह प्रदर्शन खास रहा क्योंकि अगला डब्ल्यूपीए ग्रां प्री नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होना है। ऐसे में भारतीय एथलीटों ने दुबई क्लब फॉर पीपल ऑफ डिटर्मिनेशन ग्राउंड पर आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की।

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने पुरुषों की जेवलिन एफ64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की। वहीं पेरिस 2024 के स्वर्ण पदक विजेता नवदीप (जेवलिन एफ41) और धर्मबीर नैन (क्लब थ्रो एफ 51) ने भी गोल्ड जीतकर सीजन की बेहतरीन शुरुआत की।

पेरिस 2024 पैरालंपिक्स की डबल ब्रॉन्ज मेडलिस्ट प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर टी35 में स्वर्ण और 200 मीटर एफ35 में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य अपना पर्सनल बेस्ट सुधारना और भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा गोल्ड जीतना है। यह तो बस शुरुआत है।

भाग्यश्री एम. जाधव ने महिलाओं की शॉट पुट और जेवलिन एफ 34 में भावनात्मक जीत दर्ज कर शानदार वापसी की। अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में रिंकू हुड्डा (जेवलिन एफ 46), वरुण सिंह भाटी (हाई जंप टी42), दिलीप महादू गावित (400 मीटर टी46) और साहिल सलीम सैय्यद (डिस्कस एफ 54/55) शामिल रहे।

रजत पदक विजेताओं में सुनील कुमार, प्रणव सूरमा और गुरुभास्कर सेल्वम शामिल रहे, जबकि कांस्य पदक रंजीत चंद्रा, पूनम राम, फातिमा खातून, दीपेश कुमार सहित अन्य खिलाड़ियों ने जीते।

फज्जा चैंपियनशिप लंबे समय से वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स सर्किट का अहम हिस्सा रही है। दुबई में शीर्ष स्थान हासिल कर भारत ने आने वाली वैश्विक प्रतियोगिताओं से पहले मजबूत संदेश दे दिया है।

कोको गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुँची

दुबई (एजेंसी)। कोको गॉफ ने बुधवार रात को तीन मैच पॉइंट बचाए और पॉलिस मर्टेंस को 2-6, 7-6 (9), 6-3 से हराकर दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। 2 घंटे और 18 मिनट में मिली इस जीत ने 2021 के बाद पहली बार यह दिखाया कि गॉफ ने टूर-लेवल की जीत में मैच पॉइंट बचाए और बेल्जियम की खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया।

गॉफ ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, पूरा मैच ऐसा लगा जैसे मेरा दिमाग से नहीं जा रहा हो। यह सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैंने बस इसमें बने रहने की कोशिश की, और मैंने हर पॉइंट के लिए लड़ाई की। मुझे खुशी है कि मैं आज रिजल्ट ला पाई।

गॉफ 2001 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में चार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। वह 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से 100 डब्ल्यूटीए 1000 मेन-ड्रॉ जीत हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं। गॉफ का अगला मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा ताकि वह नंबर 101 जीत हासिल कर सकें और अपने दूसरे दुबई सेमीफाइनल में पहुंच सकें।

टी20 विश्व कप में भारत का खामोश योद्धा है शिवम दुबे

अहमदाबाद (एजेंसी)। शिवम दुबे के शानदार खेल को देखकर उनकी जितनी चर्चा होनी चाहिए थी उतनी नहीं होती लेकिन यह भारतीय ऑलराउंडर खामोश योद्धा की तरह मौजूदा टी20 विश्व कप में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एक प्रमुख पावर-हिटर के रूप में अपनी साख बना रहा है।

नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ मुश्किल पिचों पर छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलने के बाद दुबे ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ बीच के ओवरों में भारतीय पारी को जरूरी गति प्रदान की। दुबे ने शुरू में परिस्थितियों को परखा और अपनी पहली 11 गेंद पर छह रन बनाने के बाद तेजी दिखाई। उन्होंने 31 गेंद पर 66 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस पारी में छह छक्के शामिल हैं।

अपने दूसरे टी20 विश्व कप में खेल रहे दुबे स्पिनरों के खिलाफ अपनी सटीक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी खुद को उतना ही प्रभावी साबित कर दिया है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनके बेहतर प्रदर्शन का नमूना नीदरलैंड के खिलाफ देखने को मिला, जब उन्होंने लोगन वैन बीक की गेंदों की गति में होने वाले बदलावों को अच्छी तरह से समझा और उन्हें तीन छक्के जड़े।

शॉर्ट बॉल के खिलाफ दुबे के खेल में कुछ सुधार आया है और इसका श्रेय वह आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल होने के बाद की गई कड़ी मेहनत को देते हैं। उनका दृढ़ विश्वास ऐसा है कि कुछ डॉट गेंदों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वे जानते हैं कि बड़े शॉट आखिरकार लगेंगे ही।

दुबे ने मैच के बाद कहा, टी20 में जब आप डॉट बॉल खेलते हैं, तो आप पर दबाव आता है। लेकिन एक खिलाड़ी के रूप में, एक बल्लेबाज के रूप में मैं जानता हूं कि अगर मैं 10 गेंदों में दो रन बनाने के बावजूद अगर मैं अगली पांच गेंद में से दो गेंद पर छक्का लगा देता हूं तो हिसाब बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा, यह बात हमेशा मेरे दिमाग में रहती है। यह जरूर है कि विकेट गिरने पर साझेदारी निभाना महत्वपूर्ण होता है इसलिए, अगर दो-चार गेंद खाली भी चली जाती हैं तो बहुत फर्क नहीं पड़ता क्योंकि बाद में उसका हिसाब बराबर हो जाता है। दुबे ने अपनी सफलता का श्रेय दबाव वाली परिस्थितियों में खेलने के अधिक मौके मिलने को भी दिया। उन्होंने कहा, मुझे उस तरह की परिस्थितियों में खेलने के मौके मिले हैं। इसलिए, जब भी आपको खेलने का मौका मिलता है तो आप उससे कुछ न कुछ सीखते हैं। इसलिए मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला है और उस परिस्थिति में मैं थोड़ा समझदार हो गया हूं। इसलिए मैं जानता हूं कि गेंदबाज मुझे किस तरह की गेंद कर सकता है। दुबे का आत्मविश्वास चरम पर है और यह उनके टी20 विश्व कप में पहले अर्धशतक के बारे में उनके बोलने के तरीके में स्पष्ट रूप से झलका। उन्होंने कहा, आज मुझे लगा कि आज मेरा दिन है और मुझे थोड़ा समझदारी से काम लेना होगा, खुद को आगे बढ़ाना होगा और अंत तक टिके रहना होगा।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक पंकज सिंह भदौरिया द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर 137, 138, 139 सेक्टर 01 स्पेशल इंडस्ट्रीयल एरिया गोविन्दपुरा भोपाल, मप्र से मुद्रित कर 432 सेक्टर बी सर्वधर्म कालोनी, कोलार दामखेड़ा हुजूर भोपाल 462042 मप्र से प्रकाशित। संपादक- पंकज सिंह भदौरिया। (सभी विवाद भोपाल न्यायालय में मान्य होंगे।)

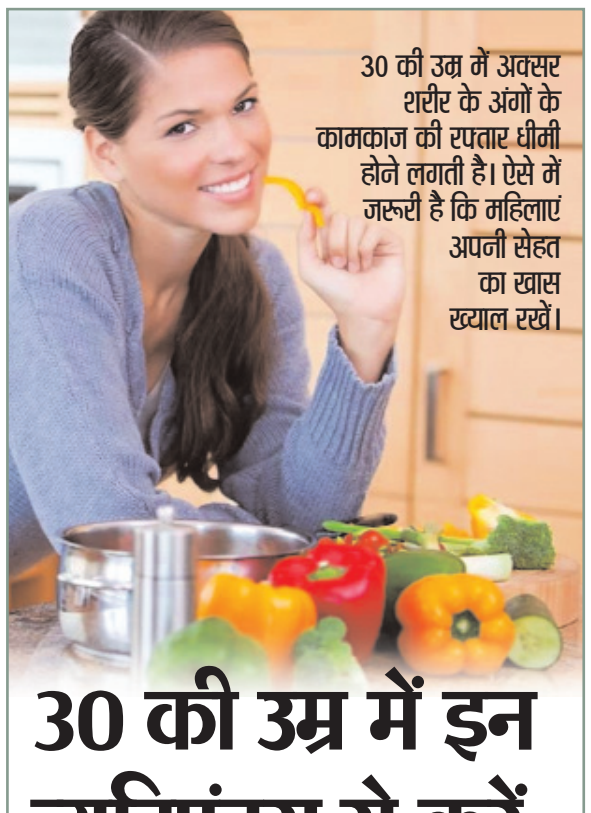

30 की उम्र में अक्सर शरीर के अंगों के कामकाज की रफ्तार धीमी होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि महिलाएं अपनी सेहत का खास ख्याल रखें।

30 की उम्र में इन न्यूट्रिएंट्स से करें दोस्ती, बुढ़ापे में नहीं होगी परेशान

30 साल के बाद हर किसी का शरीर एक्स्ट्रा केयर खोजता है। खासकर महिलाओं को इसकी ज्यादा जरूरत होती है। इस उम्र में अक्सर शरीर के अंगों के कामकाज की रफ्तार धीमी होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि महिलाएं अपनी सेहत का खास ख्याल रखें। आज हम आपको एक्सपर्ट की बताएं उन पांच न्यूट्रिएंट्स की जानकारी दे रहे हैं, जिसे हर महिला को अपने डाइट का हिस्सा बनना चाहिए।

विटामिन डी

महिलाओं को अपनी डाइट में विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों को जरूर शामिल करना चाहिए। यह एक मास्टर न्यूट्रिएंट्स होता है, जो आप के हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा यह मूड बूस्टर की तरह काम करता है और इम्यूनिटी मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विटामिन डी की कमी आप दूध, मशरूम, सेलमन मछली का सेवन करके पूरा कर सकते हैं।

आयरन

आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। खासकर आप वर्किंग वुमन हैं और आप बहुत जल्दी थकान और कमजोरी महसूस करती हैं यह एक परफेक्ट एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है। इससे शरीर में खून की कमी नहीं होती है और एनीमिया जैसी बीमारी की चपेट में आने से आप बच सकती हैं। इसके लिए आप नट्स, सीड्स, पालक ब्रोकली, अनार का सेवन कर सकती हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

हार्ट और ब्रेन हेल्थ को बरकरार रखने के लिए महिलाओं को ओमेगा 3 फैटी एसिड युक्त खाद्य पदार्थों को भी डाइट में शामिल करना चाहिए। यह इन्फ्लेमेशन से भी लड़ने में मदद करता है और आपको क्रॉनिक बीमारियों के खतरे से बचाता है। इसके लिए आप चिया सीड्स,दूध, सी फूड का सेवन कर सकती हैं।

कैल्शियम

कैल्शियम भी एक बहुत ही जरूरी न्यूट्रिएंट्स है। यह न सिर्फ हड्डियों को मजबूती देता है बल्कि ओवर ऑल स्ट्रैथ के लिए जिम्मेदार होता है। इससे मसल्स का फंक्शन भी सही होता है और नर्व भी ठीक प्रकार से फंक्शन करता है। इसकी कमी को पूरा करने के लिए डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल करना चाहिए।

फोलेट

फोलेट भी बहुत ही जरूरी न्यूट्रिएंट्स में से एक है। खासकर जो महिलाएं मां बनने वाली हैं, उन्हें अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। इससे रेड ब्लड सेल्स बूस्ट होता है और खून की कमी नहीं होती। इसके लिए चिकपी, ब्रोकली, नट्स का सेवन करना चाहिए।

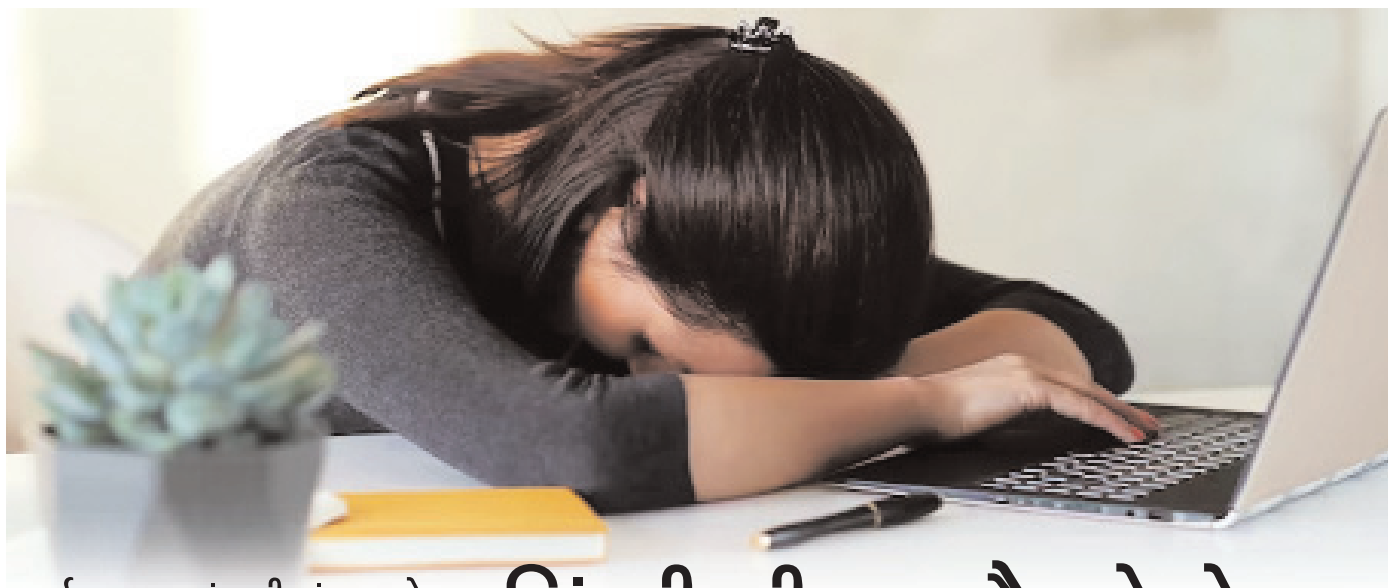

जिंदगी की भागदौड़ से हो गए हैं परेशान? सेहतमंद रहने के लिए इन बातों पर दें ध्यान

कई बार हम अंदर ही अंदर घुटते रहते हैं, जिसका असर मेंटल ही नहीं फिजिकल हेल्थ पर भी होता है। एक्सपर्ट की बताई कुछ खास बातों का ख्याल रखकर आप खुद को सेहतमंद रख सकती हैं।

भागदौड़ से भरी इस जिंदगी में भला कौन तनाव से परेशान नहीं है। सभी को किसी न किसी बात का स्ट्रेस तो है ही। जिंदगी की मुश्किलों को हल करते हुए अक्सर हम खुद की परवाह करना भूल जाते हैं। अपनी सेहत को लेकर लापरवाह हो जाते हैं। लेकिन असल में सेहतमंद रहने के लिए सही खान-पान, एक्सरसाइज और हेल्दी रूटीन के अलावा भी कई चीजें जरूरी हैं। जब हम मानसिक तौर पर परेशान होते हैं, अपने दिल की बात कह नहीं पाते हैं या फिर ओवरथिंकिग करते हैं, तो इसका असर हमारी ओवरऑल हेल्थ पर होता है। इसलिए, खुद को खुश रखने पर और खुद की परवाह करने पर ध्यान देना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें।

सोशल एक्टिविटी पर ध्यान दें

अक्सर हम जिंदगी की भागदौड़ में इतना उलझ जाते हैं कि उन चीजों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं जो असल में हमारे लिए जरूरी हैं। रोजमर्रा के कामकाज के बीच हर हफ्ते कम से कम एक घंटा आपको किसी सोशल एक्टिविटी से लिए निकालना चाहिए। अपने दोस्तों से मिलें, बाहर जाएं या फिर कुछ भी ऐसा करें जो आपको पसंद हो। इसका मेंटल हेल्थ पर पॉजिटिव असर होता है।

सेल्फ केयर पर ध्यान दें

इस बात को समझना जरूरी है कि आप अपने अपनों के लिए भी कुछ तभी कर पाएंगे तब आप खुद हेल्दी होंगे। इसलिए, अपनी परवाह करें। खान-पान को नजरअंदाज न करें। हेल्दी डाइट लें, खुलकर अपने बारे में बात करें और एक हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करें। अगर शरीर में किसी तरह की परेशानी महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

ब्रेक भी है जरूरी

जिंदगी की भागदौड़ से अगर आप थक गए हैं और आपके स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ रहा है, तो इसे समझें। रोजमर्रा की जिंदगी के थोड़ा ब्रेक भी जरूरी है। ब्रेक में हेल्दी एक्टिविटी जैसे योगा, ब्रिस्क वॉकिंगह, रीडिंग या फिर कुछ भी और करें, जिससे आपकी सेहत पर अच्छा असर हो।

हार्मोनल इंबैलेंस दूर करने के लिए महिलाएं डाइट में शामिल करें ये चीजें

महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन जैसे कई हार्मोन्स का सही संतुलन होना जरूरी है। हार्मोनल इंबैलेंस दूर करने के लिए कुछ खास चीजों को डाइट में लेना और हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करना जरूरी है।

हार्मोनल बैलेंस का सीधा असर हमारी सेहत पर होता है। अगर शरीर में हार्मोन्स बैलेंस नहीं हैं, तो इससे हमारी पूरी सेहत प्रभावित होती है। शरीर के सही तरह से फंक्शन करने के लिए हार्मोन्स का लेवल सही होना जरूरी है। खासकर, महिलाओं के शरीर में अगर हार्मोन्स ऊपर-नीचे होते हैं, तो इससे महिलाओं की फर्टिलिटी, डाइजेशन, वजन और मूड समेत कई चीजें प्रभावित होती हैं। महिलाओं की हार्मोनल हेल्थ के लिए एस्ट्रोजन हार्मोन का सही लेवल जरूरी है। कुछ फूड्स इसे मैनेज करने में खास भूमिका निभाते हैं। इन्हें महिलाओं को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। इस बारे में डाइटिशियन राधिका गोयल जानकारी दे रही हैं। राधिका सर्टिफाइड डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं।

फाइबर रिच फूड्स

फाइबर रिच फूड्स शरीर में एस्ट्रोजन के लेवल को बैलेंस करने में मदद करते हैं। ये शरीर से अतिरिक्त एस्ट्रोजन को बाहर निकालने के लिए जरूरी होते हैं। एस्ट्रोजन की अधिक मात्रा शरीर के कई फंक्शन्स पर असर डाल सकती हैं। ऐसे में फाइबर रिच फूड्स को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

क्रूसिफेरस वेजिटेबल्स

ब्रोकली, पत्तागोभी और फूलगोभी जैसी क्रूसिफेरस सब्जियां भी शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन को बैलेंल करने के लिए जरूरी हैं। इन सब्जियों में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो एस्ट्रोजन मेटाबॉलिज्म और बैलेंस के लिए जरूरी होते हैं।

हेल्दी फैट्स

शरीर को सेहतमंद बनाए रखने के लिए हेल्दी फैट्स जरूरी हैं। हेल्दी फैट्स जैसे एवाकाडो, फैटी फिश और नट्स को डाइट में शामिल करें। इससे हार्मोनल बैलेंस में मदद मिलती है।

फ्लैक्स सीड्स

फ्लैक्स सीड्स में लिग्नांस होते हैं और कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो एस्ट्रोजन लेवल को रेगुलेट करने में मदद करते हैं। इन्हें आप कई तरह से डाइट में शामिल कर सकती हैं। इनकी चटनी (अलसी के बीज की चटनी), रोटी और रोस्टेड सीड्स भी फायदेमंद होते हैं।

चिया सीड्स

फ्लैक्स सीड्स की तरह चिया सीड्स में भी लिग्नांस और फाइबर होता है। ये भी हेल्दी एस्ट्रोजन मेटाबॉलिज्म को सपोर्ट करते हैं। इन्हें भिगोकर डाइट में शामिल करें। इससे वजन भी कंट्रोल में रहता है।

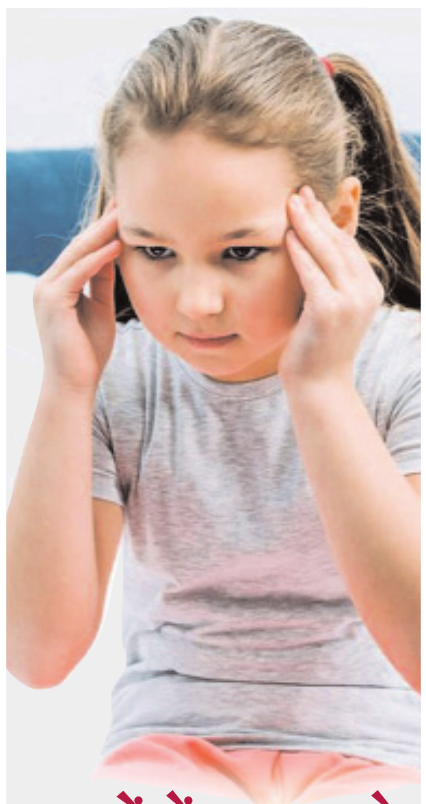

बच्चों में नजर आने वाले ये लक्षण हो सकते हैं एनीमिया के संकेत

एनीमिया एक ऐसी समस्या है जिसमें शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या में कमी हो जाती है। यानी शरीर में खून की कमी हो जाती है। लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन होता है, यह एक ऐसा प्रोटीन होता है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन ले जाने और शरीर के सभी भागों में पहुंचाने में सक्षम बनाता है। जब शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी हो जाती है तो रक्त ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पता है। यह ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलता है लेकिन बच्चे भी इसके शिकार हो जाते हैं। आज हम जानेंगे कि बच्चों में एनीमिया होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

बच्चों में एनीमिया होने पर नजर आने वाले लक्षण

- अगर आपका बच्चा थोड़ी देर ही खेलने के बाद थक जाता है तो यह एनीमिया के सबसे आम लक्षणों में से एक।
- खून की कमी के कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर होने लगती है जिससे बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है।
- एनीमिया के चलते बच्चों में चिड़चिड़ापन और बेचैनी भी देखने को मिलता है।
- सीढ़ियां चढ़ने बाद बच्चे का सांस फूलने लगना या सांस लेने में दिक्कत हो तो यह भी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं। खून की कमी के कारण ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं हो पाती है।
- बार-बार बच्चा सिर में दर्द और चक्कर की शिकायत करता है तो भी ये एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं।
- त्वचा और आंखों का पील पड़ना भी एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं।
- कई बार हार्ट रेट भी बढ़ जाता है और शरीर का तापमान भी गिरने लगता है।
- यह भी पढ़ें-हार्ट अटैक आने के 15 मिनट के अंदर कर लें उपाय, बच सकती है मरीज की जान

ऐसे करें बचाव

- ऐसे कोई भी लक्षण आपके बच्चे में नजर आते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर से चेकअप करवाएं और डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाई का सेवन करवाएं।
- इसके अलावा आप हरी सब्जियां,दाल, नॉन वेजिटेरियन फूड भी बच्चे को खिला सकते हैं। इससे भी शरीर में रेड ब्लड सेल्स बढ़ते हैं।
- विटामिन सी से भरपूर नींबू, संतरा, कीनू, कीवी, स्ट्रॉबेरी जैसे पौष्टिक फलों को डाइट का हिस्सा बनाएं। इससे भी शरीर आयरन को तेजी से अब्जॉर्ब कर पाता है।

सेहत को कमाल के फायदे पहुंचाती है अमरूद की चटनी

अमरूद एक ऐसा फल है जो सभी को पसंद आता है। नमक और मिर्च लगाकर अमरूद खाने का जो मजा है वह शायद ही किसी और फल को खाने में आता होगा। कुछ लोग अमरूद साबुत कहते हैं तो कुछ इसकी जेली बनाकर खाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी अमरूद की चटनी खाई है? जी हां अमरूद की चटनी खाने में तो स्वादिष्ट लगती ही है, इससे सेहत को भी खूब लाभ पहुंचता है। आइए जानते हैं इस बारे में डाइटिशियन लवनीत बत्रा से।

अमरूद की चटनी खाने के फायदे

- अमरूद में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें, तो इसमें मैगनीज, पोटैशियम, विटामिन- सी, मिनरल, लाइकोपीन फाइबर होते हैं। वहीं, जब इसकी चटनी बनाई जाती है, तो इसमें और भी कई तरह के इंग्रीडिएंट को शामिल किए जाते हैं, जिससे इसका फायदा दोगुना हो सकता है।
- अमरूद की चटनी का सेवन करने से डायबिटीज के मरीजों को फायदा हो सकता है। दरअसल, इसमें फाइबर की

अच्छी मात्रा होती है।, इसकी वजह से यह ब्लड शुगर को रेगुलेट करने में मदद करता है। इससे शुगर स्पाइक नहीं होता है।

- अमरूद में पोटैशियम भी होता है जो कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करके हार्ट हेल्थ को फायदा पहुंचा सकता है।
- इसके अलावा, इस चटनी का सेवन करने से पाचन दुरुस्त होता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन- तंत्र को बूस्ट करता है, जिससे कब्ज और, एसिडिटी जैसी परेशानी नहीं होती है।
- इसमें भरपूर विटामिन- सी होता है, जिससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत बनती है। इससे आपकी ओवरऑल हेल्थ को फायदा पहुंचता है। वहीं, इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल से लड़ने में मदद करते हैं, जिससे कई तरह की क्रॉनिक बीमारियों का खतरा कम होता है।

क्या आप भी डेंटल फ्लॉस का इस्तेमाल करते हैं? जान लें नुकसान

दांत साफ हो तो आपकी मुस्कान और भी ज्यादा खूबसूरत लगती है। इसलिए जरूरी है कि दांतों को सही तरीके से साफ किया जाए। ओरल हेल्थ न सिर्फ दांतों को सड़न से बचाता है बल्कि ओवरऑल हेल्थ को फायदा पहुंचता है। यही वजह है कि अक्सर डॉक्टर डेंटल फ्लॉस इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं, जिससे दांतों के बीच फंसे भोजन आराम से निकल जाता है। लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि डेंटल फ्लॉस के कुछ नुकसान भी हैं। आइए इस बारे में डेंटल डॉक्टर तलबिया खान से जानते हैं।

क्या होता है डेंटल फ्लॉस

डेंटल फ्लॉस एक काफी पतला सिंथेटिक धागा होता है जिसे दांतों के बीच में घुसाकर दांतों के बीच फंसी गंदगी को हटाया जा सकता है। कई बार कुछ ऐसा खाते हैं जो दांतों के बीच में फंस जाता है और इसके कारण बैक्टीरिया पैदा होते हैं। इससे मुंह में स्मेल और सड़न जैसी दिक्कत होती है। वहीं डेंटल फ्लॉस इस्तेमाल करने से दांतों में प्लाक जमा नहीं होते हैं। एक्सपर्ट की माने तो डेंटल फ्लॉस से फायदा और नुकसान दोनों हो सकता है। यह पूरी तरह से इस बात पर डिपेंड करता है कि आप किस तरह का फ्लॉस इस्तेमाल करते हैं। दरअसल कुछ ऐसे डेंटल फ्लॉस होते हैं जो टॉक्सिक केमिकल टेफ्लॉन से बनाए जाते है। जब शरीर के अंदर यह केमिकल जाते हैं तब थायराइड जैसी समस्या हो सकती है हार्मोन असंतुलन हो सकता है। वहीं कुछ फ्लॉस में फ्रेगनेंस होता है। यह सिंथेटिक खुशबू होती है। इनमें भी कई तरह के केमिकल पाए जाते हैं जिससे शरीर के अंदर गड़बड़ी हो सकती है। वहीं जो लोग दिन भर में एक बार से ज्यादा फ्लॉसिंग करते हैं उनके मसूड़े की टिशू डैमेज हो सकती है। इसके अलावा दांतों के बीच स्पेस भी बढ़ सकता है।

फ्लॉसिंग का सही तरीका

- एक्सपर्ट कहती हैं कि ओरल हेल्थ के लिए फ्लॉसिंग जरूरी है लेकिन आप जब भी फ्लॉस स्टिक का चुनाव करें तो ध्यान रहे कि यह केमिकल फ्री होना चाहिए।
- वहीं अक्सर लोग फ्लॉसिंग बहुत तेज कर लेते हैं इसकी वजह से मसूड़ों से खून आने लगता है जो कि कई तरह की समस्या पैदा कर सकता है इसलिए जब भी फ्लॉसिंग करें हल्के हाथों से फ्लॉसिंग करें।